MATS UNIVERSITY

SCHOOL OF ARTS & HUMANITIES
DEPARTMENT OF HINDI

Syllabus

For
(Three Year Full -Time Degree Programme)

Bachelor of Arts

(BA)

Sociology , Political Science, History

(2025-2028)

(Semester Based Course)

Semester-I
CORE COURSES

1 DSCC Major प्रथम प्रश्न पत्र

समाज शास्त्र एक परिचय

उद्देश्य :

इस अभ्यासक्रम के अंतर्गतछात्र समाज शास्त्र का अर्थ प्रकृति कार्य क्षेत्र विषय वस्तु बुनियादी अवधारणाएँ समाज, समुदाय, संस्था, संघ, समूह स्थिति और भूमिका से परिचित कराना होगा तथा सामाजिक समस्याए ंविवाह, परिवार और रिश्तेदारी, संस्कृति और समाज संस्कृति समाजीकरण व्यक्ति और समाज सामाजिक नियंत्रण, मानदण्ड और मूल्य की जानकारी प्राप्त कराना।

इकाई–1

समाज शास्त्र अर्थ प्रकृति कार्य क्षेत्र विषय वस्तु बुनियादी अवधारणाएँ समाज, समुदाय, संस्था, संघ, समूह स्थिति और भूमिका

इकाई–2

सामाजिक समस्याएं विवाह, परिवार और रिश्तेदारी, संस्कृति और समाज संस्कृति समाजीकरण व्यक्ति और समाज सामाजिक नियंत्रण, मानदण्ड और मूल्य

इकाई–3

सामाजिक स्तरीकरण अर्थ रुप और सिद्धांत सामाजिक गतिशीलता अर्थ रुप और सिद्धांत

इकाई–4

सामाजिक परिवर्तन अर्थ और पैटर्न, कारक विकास और प्रगति

इकाई–5

सामाजिक व्यवस्था और प्रक्रिया सामाजिक व्यवस्था अर्थ विशेषताएँ और तत्व सामाजिक

परिणाम : सामाजिक स्तरीकरण अर्थ रुप और सिद्धांत सामाजिक गतिशीलता अर्थ रुप और सिद्धांतों से परिचित होगा। सामाजिक परिवर्तन अर्थ और पैटर्न समझेगा, कारक विकास और प्रगति की जानकारी प्राप्त करेगा। सामाजिक व्यवस्था और सामाजिक प्रक्रिया का अर्थ विशेषताएँ और तत्व का ज्ञान प्राप्त करेगा।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

1. विधा भूषण तथा सचदेवा (2012): समाज शास्त्र के सिद्धांत किताब महल इलाहाबाद
2. मुकर्जी रविन्द्रनाथ (2018): समाज शास्त्र, एब. बी. पी. डी. पब्लिकेशन, आगरा
3. लवनिया, एम. एम. 2002 1988: समाजशास्त्र–रिसर्च पब्लिकेशन जयपुर–2
4. सिंह जे. पी. (2002) समाजशास्त्र के मूलतत्व प्रेंटिस हॉल ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली

Semester-I CORE COURSES

DSCC Major Paper-

An Introduction to Sociology

Objective:

Under this course, students will be introduced to Sociology's meaning, nature, scope, subject matter, basic concepts of society, community, institution, association, group, status and role and social problems, marriage, family and kinship, culture and society, cultural socialization, individual and society, social To provide information about controls, standards and values.

Unit-1 Sociology Meaning Nature Working Area Subject Matter Basic Concepts Society, Community, Institution, Association, Group Status and Role

Unit-2 Social Problems Marriage, Family and Kinship, Culture and Society Culture Socialization Individual and Society Social Control, Norms and Values

Unit-3 Social Stratification Meaning Forms and Principles Social Mobility Meaning Forms and Principles
Unit 4 Social Change Meaning and Pattern, Factors Development and Progress
Unit 5 Social System and Process Social System Meaning Characteristics and Elements Social

Result: Will be familiar with the meaning and principles of social stratification and social mobility. Will understand the meaning and patterns of social change, get information about the factors development and progress. Will acquire knowledge of the meaning, characteristics and elements of social system and social process. activate windows

List of Reference Books-

1- Vidha Bhushan and Sachdeva (2012) Principles of Sociology, Kitab Mahal Allahabad
2- Mookerjee Rabindranath (2018) Sociology, ABPD Publication, Agra
3-Lavanya, Jum M. 2002 1988 Sociology-Research Publication Jaipur-2
4-Singh J. P. (2002) Fundamentals of Sociology, Pratis Hall of India, New Delhi.

2 DSCC Major द्वितीय प्रश्न पत्र–

राजनीति विज्ञान के मूल सिद्धांत

उद्देश्य :–राजनीति विज्ञान की परिभाषा प्रकृति क्षेत्र, अध्ययन पद्धतियों की जानकारी प्राप्त होगी। परम्परागत और व्यवहार परक स्वरुप राजनीति सिद्धांत एवं महत्व स्पष्ट होगा। राज्य की उत्पत्ति के विभिन्न सिद्धांतो की जानकारी प्राप्त होगी। सम्प्रभुता का अर्थ विशेषताएँ, सिद्धांत महत्व नागरिकता के अधिकार, स्वतत्रंता ,समानता एवं न्याय का अर्थ, परिभाषाऍं और विशेषताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1 राजनीति विज्ञान–परिभाषा प्रकृति क्षेत्र, अध्ययन पद्धतियां परम्परागत और व्यवहार परक स्वरुप राजनीति सिद्धांत एवं महत्व

इकाई–2 राज्य–अर्थ आवश्यक तत्व राज्य की उत्पत्ति के विभिन्न सिद्धांत राज्य एक प्रभारी परिप्रेक्ष्य में।

इकाई–3 सम्प्रभुता, अर्थ विशेषताएँ, सिद्धांत महत्व नागरिता, अधिकार, स्वतत्रंता–अर्थ परिभाषा विशेषताएं सिद्धांत

इकाई–4 समानता एवं न्याय–अर्थ परिभाषा विशेषताएं एवं संबंध

इकाई–5 विकास एवं कल्याणकारी राज्य अवधारणा, विशेषताएं कार्य उपलब्धियां चुनौतियां सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत अनुशंसित पुस्तकें

संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

1. डॉ. ओमनागपाल–राजनीति विज्ञान के मूलसिद्धांत
2. हरिद्वार राय एवं सिंह–राजनीति शास्त्र के नए आयाम
3. डॉ. बी. आर. पुरोहित–राजनीति शास्त्र के मूल सिद्धांत
4. डॉ. बाबूलाल फाडिया–राजनीति शास्त्र के सिद्धांत
5. रजनी कोठारी–राज्यों में राजनीति
6. डी. सी. जौधरी–भारतीय शासन एवं राजनीति
7. जैन फाडिया–भारतीय शासन एवं राजनीति
8. वीरकेश्वर प्रसाद सिंह–भारतीय शासन

परिणाम :–

कल्याणकारी राज्य की अवधारणा स्पष्ट होगी। राज्य की विशेषताएं कार्य उपलब्धियां चुनौतियां तथा सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांतो की जानकारी प्राप्त होगी।

DSCC Major Second Paper-

Fundamentals of Political Science

Objective: To get information about the definition, nature, field and study methods of political science. The traditional and practical nature of political principles and importance will be clear. You will get information about various theories of the origin of the state. You will get information about the meaning, characteristics, principle and importance of sovereignty, the meaning, definitions and characteristics of citizenship rights, freedom, equality and justice.

Unit 1 Political Science-Definition, Nature, Area, Study Methods, Traditional and Behavioral Forms of Politics, Theory and Importance

Unit-2 Meaning of State, Essential Elements, Various Theories of Origin of State, State in a Charge Perspective.

Unit-3 Sovereignty, Meaning, Characteristics, Principles, Importance, Citizenship, Rights, Freedom, Meaning, Definition, Characteristics, Principles

Unit 4 Equality and Justice-Meaning, Definition, Features and Relationships

Unit-5 Development and Welfare State Concept, Features, Tasks, Achievements, Challenges, Principles of Social Change Recommended Books

Reference Bibliography-

1. Dr. Om Nagpal Basic Principles of Political Science 2. Haridwar Rai and Singh-New Dimensions of Political Science

3. Dr. B. R. Fundamentals of Priestly Political Science

4. Dr. Babulal Fadia-Principles of Political Science

5. Rajni Kothari Politics in States

6. D.C. Joghari Indian Governance and Politics

7. Jain Fadia-Indian Governance and Politics

8. Virkeshwar Prasad Singh-Indian Government

Result :-

Will happen. The concept of welfare state will be clear. Get information about the state's features, work achievements, challenges and principles of social change.

3 DSCC Major तृतीय प्रश्न पत्र

भारत का इतिहास आरंभ से 750 ई. तक

उद्देश्यः— भारत के प्राचीन ऐतिहासिक गौरव ,कला एवं संस्कृति का अध्ययन।

इकाई 1

भारतीय इतिहास के स्रोत (पुरातात्विक, साहित्यिक और विदेशी विवरण)
पुरापाषाण और मध्य पाषाण काल
नवपाषाण और ताम्र पाषाण
सिंधु घाटी सभ्यता,उत्पत्ति, विस्तार और पतन आदि।

इकाई 2

मेगालिथिक संस्कृति
वैदिककाल
महाजनपदों का काल
विदेशी आक्रमण—ईरानी और मैसेडोनियाई और उनका प्रभाव

इकाई 3

मौर्य साम्राज्य—प्रशासनिक, सामाजिक एवं राजनीतिक स्थिति..
शुंग और कण्व (मौर्योत्तर काल),इंडो—ग्रीक।
शक, कुषाण और पश्चिमी क्षत्रप (मौर्योत्तर काल की कला और संस्कृति)

इकाई 4

खारवेल और सातवाहन वंश
गुप्त साम्राज्य (सामाजिक,राजनैतिक और आर्थिक आदि।)
गुप्त साम्राज्य (कला और संस्कृति)
संगम युग के तमिल राज्य

इकाई 5

गुप्तोत्तर काल (वाकाटक और वर्धन)
गुप्तोत्तर कला और संस्कृति
कदम्ब,पल्लव और चालुक्य आदि।
चोल, होयसल और पांडय आदि।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः—

1. आर.एस.शर्मा, प्राचीन इतिहास
2. उपिन्दर सिंह, प्राचीन एवंपूर्व मध्यकालिन भारत का इतिहास

DSCC Major Paper-

History of India From the Beginning Till 750 AD

Objective:-

Unit 1

Sources Of Indian History (Archaeological, Literary And Foreign Accounts)
Paleolithic And Mesolithic
Neolithic And Chalcolithic
Indus Valley Civilization (Origin, Extent And Decline Etc.)

Unit 2

Megalithic culture
vedicperiod (Rig Vedic and later vedic)
Period of mahajanpadas..
Foreign invasion- Iranian and Macedonian and their impact..

Unit 3

Mauryan empire (Administration ,social and political condition Etc.)
Sungas and kanvas
Post –Mauryan Period (Indo-Greeks ,Sakas ,Kushanas and Western Kshatrapas)
Art and culture of Post Mauryan period

Unit 4

Kharavela and the Satavahans
Guptas Empire – Administration, social and political condition ..
Guptas Art and Culture
Tamil State in Sangam age

Unit 5

Post Gupta Period (art and culture)
Post Gupta Period (Vakataka and Vardhan etc.)
The kadambas ,pallavas and Chalukyas
Cholas ,Hoysalas and Pandaya etc.

Reference Book :-

1- R.S.Sharma-Indias Ancient Past
2- Upinder Singh – A History Of Ancient And Early Medieval India

4 Paper Four

General Elective: Fundamentals of Entrepreneurship

Course Objective: To understand the concept of Entrepreneur and its characteristics and functions involved in the growth of the Country Economy.

Course Outcomes:
After successfully completion of this course, the students will be able to: -

CO1: Explain the concept and theories of entrepreneurship.
CO2: Summarize the problems faced by a woman entrepreneur.
CO3: Apply a project idea.
CO4: Interpret the sources of institutional finance.
CO5: Demonstrate the importance of MSME industries and Government initiatives for their promotion.

COURSE CONTENTS:

Unit I
The Entrepreneur: Definitions and Concept, Entrepreneurial Traits, Characteristics and Skills, Classification of Entrepreneurs, Growth of Entrepreneurs, Nature and Importance of Entrepreneurs, The Entrepreneurial Culture, Types of Entrepreneurs, Distinction between Entrepreneur and Manager.

Unit II
Entrepreneurship: Concept & Theories, Environment, Development, Training.
Women Entrepreneur: Concept, Functions, Growth and Problems faced by Women Entrepreneur.

Unit III
Project: Concept and Classification Search for a Business Idea, Project Identification, Formulation, Project Design and Network Analysis, Project Report, Project Appraisal.

Unit IV
Institutional Finance: Commercial Banks & Other Financial Institutions. Institutional Support to Small Entrepreneurs. Ownership Structures: Proprietorship, Partnership, Company, Co-operative, Selection of an Appropriate Form of Ownership Structure.

Unit V
Micro Small Medium Scale Industries: Introduction of MSME, Classification: Micro Enterprises, Small Enterprises, Medium Enterprises, Ministry of MSME: Introduction, Various government schemes, Registration, difference between Start-up and MSME, Government Policy for MSME: Major MSME schemes, PMEGP(Prime Minister's Employment Generation Programme): Objectives, Benefits, Applicability, SRI(Self Reliant India) Fund: Fund Objectives, SRI fund structure, Applicability, SRI, Steps for starting a MSME Enterprise, Case Study

Textbook:

1. The Dynamics of Entrepreneurial Development and Management, Vasant Desai, Himalaya Publishing House, 6th edition, 2018.

Reference Book:

1. Entrepreneur Development, Satish Taneja, Himalaya Publishing House, 1st edition, 2015.
2. Entrepreneur Development, Dr. S.S. Khanka, S. Chand, 5 th Edition, 2012. Entrepreneur
3. Development, Kumar, latest edition, reprint 2003.

5 (SEC) सामग्री लेखन (कंटेंट राइटिंग)

उद्देश्य – विद्यार्थियों को हिन्दी में सामग्री लेखन की बारीकियों से अवगत कराना तथा लेखन के क्षेत्र में उनके कैरियर का निर्माण करना।

इकाई–1 सामग्री लेखन

परिभाषा, अर्थ एवं क्षेत्र

प्रकार एवं महत्व

सिद्धांत

इकाई –2 विभिन्न प्रारूप

विभिन्न सामग्री लेखन प्रारूप

कंटेंट राइटर के प्रमुख कौशल

उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री लेखन बनाने के लिए सुझाव

इकाई –3 लेखन प्रक्रिया

लेखन प्रक्रिया चरण

ब्लॉगिंग, प्रकार, आवश्यक कौशल

ई बुक्स

इकाई –4 विभिन्न लेखन

रिपोर्ट लेखन, स्क्रिप्ट लेखन

न्यूज राइटिंग, संपादकीय लेखन

फीचर, साक्षात्कार

इकाई –5

नॉन फिक्शन

कहानी लेखन

परिणाम– विद्यार्थीगण सांमग्री लेखन (कंटेंट राइटिंग इन हिन्दी) में उत्कृष्टता प्राप्त कर अपने कैरियर का निर्माण कर सकेंगे।

5 (SEC) Paper-

CONTENT WRITING

Objectives:

- To Create Unique Useful and Compelling Content On a Topic.
- To Inform The Students To Develop Content As Per The Business Concept.
- To Encourage and Guide Students To Write Keywords That Allows The Site Visitors To Get The
- Information Quickly and Efficiently
- To Equip Students To Write Quality Content and Run Their Own Blogs or Sites.

Unit I:

- Meaning, Definition and Scope of Content Writing
- Types of Content Writing
- Principle of Content Writing
- Importance of Content Writing

Unit II:

- Different Content Writing Formats
- Major Skills for Writing Quality Content
- Strategies In Producing High Quality Content
- Different Stages of Writing a Good Content

Unit III:

- Blogging and Types
- Blogging and Advertising
- E-Book and Its Different Formats

Unit IV:

- Report Writing
- Script Writing
- News Writing
- Feature Writing
- Interview and Advertisement

Unit V:

- Principles of Non- Fiction Writing
- Technique for Non- Fiction Writing
- Storytelling Techniques

6 AEC Paper-

COMMUNICATION SKILLS

CREDITS: 2

Course Objectives: The Main Objectives Of The Course Are:

- To Enhance Language Proficiency By Providing Adequate Exposure To Reading And Writing Skills
- To Orient The Learners Towards Various Communication Tasks
- To Increase The Range Of Lexical Resource Through A Variety Of Exercises
-

Learning Outcomes:

- To Imbibe English And Listening, Speaking, Reading And Writing Skills To Meet The Challenges Of The World.
- To Be Able To Process Complex Information With Clarity And Conciseness.

Unit I: Basics Of Communication

- Communication: An introduction
- Definition And Scope
- Process Of Communication
- Barriers To Communication
- Types Of Communication

Unit II: Writing Skills

- Letter Writing –Formal and Informal
- CV, Email, Message
- Minutes, Report Writing
- Notice, Memoranda

Unit III: Reading Skills

- Types Of Readings

Unit IV: Listening Skills

- Effective Listening
- Barriers To Listening

Unit V: Speaking Skills

- Introduction To Soft Skills
- Personality Development
- Time Management/ Leadership Skills
- Interviews/Group Discussion/Presentation Skills
- Short Speech

Note: Adequate Practice To Be Given In The Class To Improve Speaking And Writing Competence

Text Book Recommended:

1. Brown, Ralph: Making Business Writing Happen: A Simple And Effective Guide To Writing Well. Sydney: Allen and Unwin,2004.
2. Buscemi Santi and Charlotte Smith, 75 Readings Plus. Second Edition New York: Mc Graw-Hill, 1994.
3. Mohan Krishna & Banerji, Meera : Developing Communication Skills. New Delhi: Macmillan India, 1990.

Paper- 7

VAC- Yoga In Human Consciousness

Learning Objectives:

- To increase the knowledge of the students about Yoga and to make students
- Aware about the holistic development through Yoga.
- To provide a practical knowledge on different yogic practices.
- To give a glimpse of ancient Yoga Philosophy.
- To impart some knowledge about the healing power of Yoga.
- To increase the professional efficiency in the field of Yoga

Learning Outcomes:

- Students gain good knowledge on the concept of yoga.
- Students know about the scientific benefits of various yogic practices
- Students can perform practical skills proficiently
- Students gain an awareness about the value of health & wellness through yoga
- Makes the students more enthusiastic about further study/ research in the field of Yoga

Introduction to Yoga:

i. Meaning and definitions of Yoga
ii. History of Yoga
iii. Importance of Yoga as art, science and philosophy
iv. Yogic Diet

Philosophical Perspective of Yoga:

i. Yoga in Bhagavad Gita: Karma Yoga, Raja Yoga, Jnana Yoga and Bhakti Yoga
ii. The‘ Yoga Sutras ’in general; its significance in life.
iii. Limbs/ parts of yoga (A stanga Yoga) according to the‘ Yoga Sutras’
iv. Concept of I shwara; Ishwarain Yoga Philosophy

Yogic Practices for Health & Wellness:

i. Asana ,its class Ification and effects
ii. Pranayama, it s types and effects
iii. Kriya, Mudra and Bhandha: Procedure and Effects
iv. Yoga Vs Physical Exercise

Human Consciousness & Meditation

i. Meaning & Definition of Human Consciousness.
ii. Need for Study of Human Consciousness.
iii. Current Crisis of Human Consciousness & Measures for meaningful solution.
iv. The Theory of Meditation-Japa Meditation, Ajapajapa Meditation, Yoga Nindra, Tratak.

Practical

i. Surya namskara-(12counts)

ii. Asana

a) **Standing**:- Tadasana, Ardhakatichakrasana, Ardhachakrasana, Trikonasana, Vrikshasana.
b) **Sitting:**- Vajrasana, Padmasana, Goumukhasana, Paschimottanasana, Shashankasana.
c) **Lying Supine Position**:- Shavasana,Setubandhasana, Chakrasana, Sarvangasana, Halasana.
d) **Lying Prone Position**-Makarasana, Bhujangasana, Shalabhasana, Dhanurasana, Naukasana.

iii. Pranayama

Nadishodhana, Suryabhedana, Chandrabhedana, Shitali, Bhastrika, Bhramari.

iv. Bandh & Mudra

Jalndharabandha, Uddiyanbandha, Moolabandha, Yogamudra, Viparitkarnimudra, Shambhavimudra,

v. Dhyanaand its forms

Modes of Assessment (In-Semester):

a) Unit Test
b) Class seminar presentation/ Group discussion
c) Seasonal Examination (Theory and Practical)
d) Attendance and regularity
e) Observation record during practical

Reference Books:

- Holistic Approach of Yoga-G. Shankar: Aditya Publishers
- Patanjali's Yoga Sutra -Translation and Commentary -Dr.P.V. Karambelkar: Lonavla
- Guidelines to Yogic Practices -M.L. Gharote: Lonavla
- Yoga and Indian Philosophy- Karel Werner: Motilal Banarsidass
- Yoga: The Pathto Holistic Health -B.K.S.I yenger: Dorling Kindersley Limited

GE – छत्तीसगढ़ में पर्यटन

उद्देश्य– विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ राज्य के पर्यटन से अवगत कराना।

पाठ्यांश

इकाई 1 : छत्तीसगढ़ का सामान्य परिचय एवं संक्षिप्त इतिहास

इकाई 2 : छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थल– पुरातात्विक, ऐतिहासिक, धार्मिक

इकाई 3 : छत्तीसगढ़ के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण

इकाई 4 : छत्तीसगढ़ की प्रमुख नदियाँ एवं जलप्रपात,

इकाई 5 : छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडलः कार्य एवं उपलब्धियाँ, छत्तीसगढ़ में रामवन गमन पथ

परिणाम– विद्यार्थी छत्तीसगढ़ राज्य के सामान्य ज्ञान सहित भोगोलिक, सामाजिक–सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक परिदृश्य की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही पर्यटन, संभावनाएँ एवं रोजगार के अवसरों से अवगत हो सकेंगे। साथ ही, विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी के लिए पर्यटन का विषय कवर हो सकेगा।

REFERENCE BOOKS:

पर्यटकों का राज्य छत्तीसगढ – हेमूलाल यदु

पर्यटन का स्वर्गः छत्तीसगढ़ – गनेसा खरे

छत्तीसगढ़ पर्यटन में राम वनगमन पथ – हेमूलाल यदु

GE – Tourism in Chhattisgarh

Objective- To make students aware of tourism in Chhattisgarh state.

Syllabus

Unit 1: General introduction and brief history of Chhattisgarh

Unit 2: Major tourist places of Chhattisgarh - archaeological, historical, religious

Unit 3: Major national parks and sanctuaries of Chhattisgarh

Unit 4: Major rivers and waterfalls of Chhattisgarh,

Unit 5: Chhattisgarh Tourism Board: work and achievements, Ramvan Gaman Path in Chhattisgarh

Result- Students will be able to gain information about the geographical, socio-cultural and historical landscape along with general knowledge of Chhattisgarh state as well as tourism, possibilities and employment opportunities. Also, the subject of tourism will be covered for the preparation of various competitive examinations.

REFERENCE BOOKS:

Chhattisgarh, the state of tourists - Hemulal Yadu

Tourism Paradise: Chhattisgarh - Ganesa Khare

Ram Vanagaman Path in Chhattisgarh Tourism - Hemulal Yadu

Semester-II

CORE COURSES

1 (DSCC) Major प्रथम प्रश्न पत्र

Contemporary Indian Society समकालीन भारतीय समाज

उद्देश्य : इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत छात्र भारतीय समाज का शास्त्रीय दृष्टिकोण वर्ण, आश्रम, कर्म, धर्म और पुरुषार्थ का ज्ञान प्राप्त करेगा। भारतीय समाज की संरचना गाँव, कस्बा शहर और ग्रामीण शहरी सम्पर्क रचनाएँ जनजातियाँ, दलित, महिलाएँ और अल्पसंख्यक की सामान्य जानकारी प्राप्त करेगा। भारतीय समाज की बुनियादी संस्थाएँ जाति व्यवस्था, संयुक्त परिवार, विवाह और बदलते आयामों से परिचित होगा।

इकाई–1 भारतीय समाज के बारे में शास्त्रीय दृष्टिकोण वर्ण, आश्रम, कर्म, धर्म और पुरुषार्थ

इकाई–2 भारतीय समाज की संरचना गाँव, कस्बा शहर और ग्रामीण शहरी सम्पर्क रचनाएँ जनजातियाँ, दलित, महिलाएँ और अल्पसंख्यक

इकाई–3 भारतीय समाज की बुनियादी संस्थाएँ जाति व्यवस्था, संयुक्त परिवार, विवाह और बदलते आयाम

इकाई–4 पारिवारिक समस्याएं–सरोगेर मदरहुड, लिव–इन–रिलेशनशिप, क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिकता, भ्रष्टाचार, युवा अशान्ति

इकाई–5 सामाजिक समस्याँए– सरोगेर मदरहुड, लिव–इन, रिलेशनशीप, क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिकता, भ्रष्टाचार, युवा अशान्ति

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. दोषी व जैन 2009 भारतीय समाजः सरंचना और परिवर्तन–नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली
2. जैन शोभिता–1996 भारत में परिवार,विवाह, नातेदारी रावत, जयपुर
3. दोषी व जैन 2009 समाजशास्त्रः नई दिशाएं नेशनल पब्लिकेशन हाउस दिल्ली
4. सिंह जे.पी. 2010 समाजशास्त्र अवधारणाएं एवं सिद्धांत पी. एच. आई. लर्निंग प्राइवेट लि. नई दिल्ली
5. अग्रवाल जी.के. भारतीय सामाजिक संस्थाए आगरा बुक स्टोर आगरा

परिणाम : पारिवारिक समस्याएं–सरोगेर मदरहुड, लिव–इन–रिलेशनशिप, क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिकता, भ्रष्टाचार,युवा अशान्ति से परिचित होगा। सामाजिक समस्याँए–साम्प्रदायिकता, भ्रष्टाचार, युवा अशान्ति की समस्या से परिचित होगा।

(DSCC) Major First Paper-

Contemporary Indian Society

Objective: Under this paper, the student will gain knowledge of classical viewpoint of Indian society, Varna, Ashrama, Karma, Dharma and Purusharth. He will gain general knowledge of the structure of Indian society, village, town, city and rural urban contact structures, tribes, Dalits, women and minorities. He will be familiar with the basic institutions of Indian society, caste system, joint family, marriage and changing dimensions.

Unit-1 Classical Views about Indian Society Varna, Ashrama, Karma, Dharma and Purushartha

Unit-2 Structure of Indian Society Village, Town City and Rural Urban Contact Structures Tribes, Dalits , Women and Minorities

Unit-3 Basic Institutions of Indian Society Caste System, Joint Family, Marriage and Changing Dimensions

Unit-4 Family Problems-Surrogate Motherhood, Live-in-Relationship, Regionalism, Communalism, Corruption, Youth Unrest

Unit-5 Social Problems- Surrogate Motherhood, Live-in-Relationship, Regionalism, Communalism, Corruption, Youth Unrest Bibliography:-

1. Doshi and Jain 2009 Indian Society: Structure and Change-National Publication House, Delhi

2. Jain Shobhita-1996 Family, Marriage, Kinship in India Rawat, Jaipur

3. Doshi and Jain 2009 Sociology: New Directions National Publication House Delhi

4. Singh J.P. 2010 Sociology Concepts and Theories P.H.I. Learning Pvt. Ltd. New Delhi

5. Agarwal G.K. Indian Social Institutions Agra Book Store Agra

Result: Will become familiar with family problems- surrogate motherhood, live-in-relationship, regionalism, communalism, corruption, youth unrest. Will become familiar with social problems- communalism, corruption, youth unrest. Syllabus : Contemporary Indian Society

2 (DSCC) Major द्वितीय प्रश्न पत्र–

Indian Government and Politics भारतीय शासन और राजनीति

उद्देश्य :– इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत छात्र भारतीय संविधान के निर्माण के स्त्रोत भारतीय संविधान की आधारभूत विशेषताएं प्रस्तावना, मूल अधिकार, मौलिक कर्त्तव्य एवं राज्य के नीति निर्देशक तत्वों से परिचित होगा। केन्द्रीय शासन–राष्ट्रपति, ससंद मंत्रीमंडल एवं प्रधानमंत्री गठन, नियुक्ति, अधिकार शक्तियां एवं वास्तविक स्थिति का ज्ञान प्राप्त करेगा। राज्य शासन–राज्यपाल, मंत्री परिषद एवं मुख्यमंत्री नियुक्ति, गठन, अधिकार, शक्तियां एवं वास्तविक स्थिति, केन्द्र राज्य संबंध प्रशासनिक,न्यायिक एवं आर्थिक व्यवस्था की जानकारी प्राप्त करेगा।

इकाई–1 भारतीय संविधान का निर्माण एवं स्त्रोत भारतीय संविधान की आधारभूत विशेषताएं प्रस्तावना, मूल अधिकार, मौलिक कत्तर्व्य एवं राज्य के नीति निर्देशक तत्व

इकाई–2 केन्द्रीय शासन–राष्ट्रपति, ससंद मंत्रीमंडल एवं प्रधानमंत्री गठन, नियुक्ति, अधिकार शक्तियां एवं वास्तविक स्थिति

इकाई–3 राज्य शासन–राज्यपाल, मंत्री परिषद एवं मुख्यमंत्री नियुक्ति, गठन, अधिकार, शक्तियां एवं वास्तविक स्थिति, केन्द्र राज्य संबंध प्रशासनिक,न्यायिक एवं आर्थिक

इकाई–4 सर्वोच्च न्यायालय एवं संवैधानिक प्रक्रिया गठन, क्षेत्रीयकार वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बदलता स्वरुप राजनीतिक दल–राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय अर्थ परिभाषा विशेषताएं एवं प्रकार निर्वाचन आयोग एवं निर्वाचकीय सुधार एवं अध्ययन गठन, कार्य अधिकार

इकाई–5 भारतीय राजनीति के प्रमुख मुद्दे जाति धर्म, भाषा, क्षेत्र एवं गरीबी उन्मूलन

परिणाम :–सर्वोच्च न्यायालय एवं संवैधानिक प्रक्रिया गठन, क्षेत्रीयकार वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बदलता स्वरुप राजनीतिक दल–राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय अर्थ परिभाषा विशेषताएं एवं प्रकार निर्वाचन आयोग एवं निर्वाचकीय सुधार एवं अध्ययन गठन, कार्य अधिकार। भारतीय राजनीति के प्रमुख मुद्दे जाति धर्म, भाषा, क्षेत्र एवं गरीबी उन्मूलन की जानकारी प्राप्त करेगा।

2. (DSCC) Major Second Paper-

Indian Government and Politics

Objective:- Under this question paper, the student will be familiar with the sources of formation of Indian Constitution, basic features of Indian Constitution, Preamble, Fundamental Rights, Fundamental Duties and Directive Principles of State Policy. Central Government- President, Parliament, Cabinet and Prime Minister will get knowledge of formation, appointment, rights, powers and actual status. State Government- Governor, Council of Ministers and Chief Minister will get information about appointment, formation, rights, powers and actual status, administrative, judicial and economic system of Centre-State relations.

Unit-1

Formation and sources of Indian Constitution Basic features of Indian Constitution Preamble, Basic Rights, Fundamental Duties and Directive Principles of State Policy

Unit-2

Central Government-President, Parliament, Council of Ministers and Prime Minister Formation, Appointment, Rights, Powers and Actual Status

Unit-3 State Government-Governor, Council of Ministers and Chief Minister Appointment, Formation, Rights, Powers and Actual Status, Centre-State Relations Administrative, Judicial and Economic

Unit-4 Supreme Court and Constitutional Process Formation, Regional Factors Changing Form in Current Perspective

Political Parties-National and Regional Meaning, Definition, Characteristics and Types Election Commission and Electoral Reforms and Study Formation, Functioning Powers

Unit-5 Major Issues of Indian Politics Caste, Religion, Language, Region and Poverty Alleviation

Result:-

Supreme Court and Constitutional Process Formation, Regional Factors Changing Form in Current Perspective Political Parties-National and Regional Meaning, Definition, Characteristics and Types Election Commission and
Electoral Reforms and Study Formation, Functioning Powers. You will get information about the major issues of Indian politics like caste, religion, language, region and poverty alleviation.

3 (DSCC) Major प्रश्न पत्र–

विश्व का इतिहास पुर्नजागरण काल से लेकर 19 वी. सदी की राष्ट्र राज्य प्रणाली तक

इकाई– 1:

पुर्नजागरण के प्रमुख विचार : कान्त और रूसो
उपनिवेशो में पुर्नजागरण का प्रसार
समाजवादी विचारो का उदय (मार्क्स तक) ; मार्क्सवादी समाजवाद का प्रसार

इकाई – 2:

अमेरीकी क्रांति
अमेरीकी संविधान
फ्रांसीसी क्रांति और उसके बाद (1789 से 1815)
अब्राहम लिंकन और दासता उन्मूलन के संदर्भ में अमेरीकी गृह युद्ध

इकाई – 3 :

बिट्रिश प्रजातांत्रिक क्रांति (1815 से 1850); संसदीय सुधारक, मुक्त व्यापारी ,चार्टिस्ट
बिट्रिश औद्योगिक क्रांति : कारण व समाज पर प्रभाव

इकाई – 4:

अन्य देशो में औद्योगिकीकरण : यूएसए, जर्मनी ,रूस ,जापान
औद्योगिकीकरण और वैश्वीकरण

इकाई – 5 :

19वी सदी में राष्ट्रवाद का उदय ; राष्ट्रवाद : जर्मनी और इटली में राज्य निर्माण
विश्व भर में राष्ट्रीयताओं के उदय के समक्ष साम्राज्यों का विघटन

परिणाम – विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं, आंदोलनों और सभ्यताओं का अन्वेषण।

संदर्भ पुस्तकें – अर्जुन देव और इंदिरा अर्जुन देव द्वारा विश्व का इतिहास
डॉ. वी.डी. महाजन द्वारा आधुनिक यूरोप का इतिहास

3 (DSCC) Major

History of the world from Enlightenment to Nation state System in 19th century

Objective − To gain a comprehensive understanding of how different societies , cultures, and civilizations across the globe have developed over time , including their political ,economic, social and technological changes

UNIT-1

Major ideas of Enlightenment : Kant and Rousseau
Spread of enlightenment in the colonies
Rise of socialist ideas (up to Marx); Spread of Marxian Socialism

UNIT-2

American Revolution
American Constitution
French revolution and aftermath, 1789-1815
American Civil war with reference to Abraham Lincoln and the abolition of slavery

UNIT-3

British Democratic Politics, 1815-1850; Parliamentary Reformers, Free Traders, Chartist
English Industrial Revolution : causes and Impact on Society

UNIT-4

Industrialization in Other Countries : USA, Germany
Russia , Japan
Industrialization and Globalization

UNIT-5

Rise of Nationalism in 19th century
Nationalism: State building in Germany and Italy
Disintegration of Empires through the Emergence of of nationalities

Result - Exploration of major historical events, movement and civilization across different region .

Reference books – History of the world by Arjun Dev and Indira Arjun Dev
History of Modern Europe by Dr. V.D Mahajan

4 Genrel Elective

STRESS MANAGEMENT

Course	Subject Code	Name Of Subject	Periods Per Week			Scheme of Marks		Credits
			L	T	P	INTERNAL	EXTERNAL	4
GENERIC ELECTIVE	GE	STRESS MANAGEMENT	4	-	-	30	70	

UNIT I:

Learning about sources of stress and its symptoms: Nature of stress- various sources of stress environmental, social, physiological and psychological; Symptoms of stress - emotional response, physiological & behavioural

UNIT II:

Stress and health: effects of stress on health, eustress.

UNIT III:

Managing stress-I: Methods - yoga, meditation, relaxation techniques.

UNIT IV:

Managing stress-II: Problem focused and emotion focused approaches.

References :

- Carr, A. (2004). Positive Psychology: The science of happiness and human strength.UK: Routledge. DiMatteo, M.R. & Martin, L.R.(2002). Health psychology. New Delhi: Pearson Neiten, W. & Lloyd, M.A (2007). Psychology applied to Modern life. Thomson Detmar Learning.
- Sarafino, E.P. (2002). Health psychology: Bio psychosocial interactions (4th Ed.).NY: Wiley.

5 (SEC)

सोशल मीडिया

उद्देश्य–विद्यार्थियों को मीडिया की आधुनिक प्रवृत्ति से अवगत कराना।

पाठयांश

इकाई –1 सोशल मीडिया का अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ, महत्व

इकाई –2 इंटरनेट की विकास यात्रा, इतिहास, वर्तमान स्वरूप

इकाई –3 न्यू मीडिया , अर्थ, स्वरूप, न्यू मीडिया और समाज

इकाई –4 सोशल मीडिया और हिन्दी भाषा, सोशल मीडिया और जनसम्पर्क

इकाई –5 सोशल मीडिया कानून, नकारात्मक और सकारात्मक प्रभाव

अनुशंसित ग्रंथ

1 सम्पूर्ण पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2 पत्रकारिता : सिद्धांत एवं स्वरूप, डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली

3 भारत में पत्रकारिता : आलोक मेहता, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नई दिल्ली

4 हिन्दी पत्रकारिता, स्वरूप एवं संदर्भ : डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5 हिन्दी पत्रकारिता का बाजार भाव, जवाहरलाल कौल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

परिणाम–विद्यार्थियों को सोशल मीडिया, न्यू मीडिया, ई–मीडिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी और मीडिया के आधुनिक माध्यमों में कैरियर बना सकेंगे।

(SEC)

Social Media

Objective-To make students aware of the modern trend of media.

Readings

Unit-1 Meaning, form, characteristics, importance of social media
Unit-2 Development journey of internet, history, current form
Unit-3 New media, meaning, form, new media and society
Unit-4 Social media and Hindi language, social media and public relations
Unit-5 Social media laws, negative and positive effects

Recommended Books

1 Complete Journalism: Dr. Arjun Tiwari, Varanasi University Publication, Varanasi
2 Journalism: Principles and Form, Dr. Rameshchandra Tripathi, Radha Publication, New Delhi
3 Journalism in India: Alok Mehta, National Book Trust, India, New Delhi

4 Hindi Journalism, Form and Reference: Dr. Vinod Godre, Vani Publication, New Delhi
5 Market Rate of Hindi Journalism, Jawaharlal Kaul, Prabhat Publication, New Delhi

Result-Students will get detailed information about social media, new media, e-media and will be able to make a career in modern means of media.

6 (AEC)

GENERAL ENGLISH

Objective:- Student Understand Articles, Verbs, Determiners-Use Of Some/Any, Any Type Of Sentences . Student Understand Tenses Active And Passive .Student Understand Poem Where The Mind Is Without Fear By , Poem – Tree By Tina Morris.

Unit-1 : Articles, Verbs, Poem- Where The Mind Is Without Fear By Rabindranath Tagore.

Unit - 2 : Determiners-Use Of Some/Any, Sentences And Type Of Sentences, Poem-Tree By Tina Morris.

Unit - 3 : Tenses Active And Passive, Story- The Portrait Of A Lady By Khushwant Singh.

Unit - 4 : Gerunds, Infinitives, Story-The Open Window By H.H. Munro.

Unit - 5 : Prepositions, Letter Writing-Formal And Informal Letters, Paragraph Writing.

REFERENCE BOOKS :

1. High School English Grammar And Composition By Wren & Martin
2. English Language And Indian Culture Published By M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal

Results:- Student Understand Story- The Portrait Of A Lady By , Story-The Open Window By H.H. Munro. Student do Practices Prepositions, Letter Writing-Formal And Informal Letters, Paragraph Writing.

7 (VAC)

Environmental Studies & Disaster Management

Learning Objectives Credit: 2 Marks: 50 (35+15)
On successful completion of the course students will be able to:

1. Identify the historical origins of destructive attitudes and practices towards the natural environment.
2. Know the compatibility of human and environment/ecological values.
3. Know the nature resources available on earth and how to concern and manage them.
4. Understand the disaster and pandemic they are facing and empower the new generation to face the new challenges.

Unit -I (Environment)

The Atmosphere, Lithosphere, Hydrosphere, Biosphere. Ecosystem: Energy flow in the ecosystem Biogeochemical Cycle: Water Cycle, Carbon Cycle, Nitrogen Cycle Pollution: Water Pollution, Air Pollution, Soil Pollution, Radiation Pollution, Industrial Pollution, Light Pollution, Sound Pollution. Environmental Laws: (Water Act 1974, Air act 1981, The Wildlife Protection Act 1972, The Environment Protection Act 1986). The Forest Conservation Act 1980.

Unit -II (Climate Change & Sustainable Development)

Population Ecology: Individuals, Species, Population, Community (01 Period) Human Population Growth, Population Control Methods (01 period) Urbanization and its effect on society (0) Period) Climate Change, Cause, Effect, Global Warming, Carbon Footprint and environmental protection (05 Periods) Step taken towards Sustainable Development: Ban of single-use plastic automobile Scrapping Policy, Promotion of Electrical Vehicles, Brief idea on Sustainable Development Goals (SDGs), Agenda 21 of Rio Earth Summit.

Unit -III (Disaster Management)

Disaster Management: Types of Disasters (Natural and Man-made and their cause and effect) Vulnerability Assessment and Risk Analysis: Vulnerability to various disasters (Flood, Cyclone, Earthquake. Heat waves and Lightning) Institutional Framework: Institutional arrangements for disaster management (National Disaster Management Authority (NDMA), Chhattisgarh State Disaster Management Authority (CSDMA), District Disaster Management Plan-(DDMP) Raipur. Preparedness Measure and Survival skills adopted during and after disaster

Unit -IV (Public Health Management)

Brief idea on Epidemics and Pandemics Non-Communicable Diseases with special reference to cardiovascular diseases, Cancer, Hypertension and Obesity and their prevention.

Communicable Diseases with special reference to Covid-19, Flu, Hepatitis, AIDS and Tuberculosis and their transmission Dynamics of Disease Transmission: Mode of transmission (Direct/Indirect), Events after infection: Immunity (Active vrs Passive, Innate vrs Acquired, Herd Immunity), Incubation Period. Prevention of Epidemics/Pandemics Disease: Preventing Measures (Quarantine, Sanitization, Personal Protective measures such as Hand Washing and use of protective devices, Vaccination); Control Measures (Surveillance, Isolation, Contact Tracing) Life Style Management (Diet, Physical Exercise, Yoga and sleeping habit)

Reference Book:

Environment and Disaster Management Ecology Climate Change Biodiversity, 3rd Edition, by D.R Khullar

An Introduction to Disaster Management Natural Disasters and Man Made Hazards, 3rd Edition by S. Vaidyanathan

Environment. Disaster Management Climate Change, by Dr. Y. K. Sharma & P. Jain.
Environmental Studies and Disaster Management by Rajneeta Soni

GE Optional Paper

Indigenious Social Work in NGO Management

Unit:1- Meaning, Nature and scope of Indigenious Knowledge System and Indian Knowledge System , History of Indian Knowledge System. Pro-science versus Science in Indian Knowledge System. Indigenious Social Work, Indian Knowledge System in NGO Management.

Unit:2- Gandhian Thought, Ekadash Vratatak in NGO Management, Constructive Programme in NGO Management in Environmental conservation. Hind Swaraj As Development Model. Global indigenous rights issues.

Unit:3- Thought of Vivekand and Social Economy. Kriya yog , Bhakti yog, Gyan Yog and Indigenous leadership into decision-Making Processes., Karm yog .Karm yog and NGO Management in Social justice. Empowering Indigenous Populations in thought of Gurughasi Das..

Unit:4- Thought of Bhim Rao Ambedakar and community-led approaches in Social Devlopment, Arvind Ghosh & Fulbasan Bai, Research and Advocacy Skills in Indigenious Perspective.

Reference:

1. गांधी (2019) सत्य के साथ मेरे प्रयोग , राजस्थानी ग्रंथागर
2. Vivekand (2019) Kriyayog.Fingerprints Publishing
3. Vivekand (2019) Gyaan yog. Fingerprints Publishing
4. Bhaktiyog 2019 Vivekand. Fingerprints Publishing
5. Fischer Louis. The essential Gandhi: An Athology of His writings on his life , work and ideas. Vintage newYork,2020
6. Jack Homer(1956)The Gandhi Reader :A Sourcebook of His Life and Writing. Grove Press.
7. Sharma ,R.1997. Gandhi ayan Economic ,Deep and Deep Publication.
8. Wunsch,G1994. Theories ,Models and Data, Demografie.
9. Chaama,shridhar16 august 2022, remembering a guru.

.

GE Paper

छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति

इकाई – 1 : छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ

इकाई – 2 : जनजातीय विकास

इकाई – 3 : जनजातीय सामाजिक संगठन

इकाई – 4 : छत्तीसगढ़ : आभूषण, वाद्ययंत्र, व्यंजन

इकाई – 5 : छत्तीसगढ़ : लोककला एवं संस्कृति

संदर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ जनजातियाँ और संस्कृति द्वारा बिष्णु मोहन पांडा
2. विनोद वर्मा द्वारा छत्तीसगढ़ की संस्कृति

Tribal Culture of Chhattisgarh

Unit-1 : Tribes of Chhattisgarh

Unit-2: Tribal Development

Unit-3: Tribal Social Organization

Unit-4: Chhattisgarh : Ornaments,Instrument,Vyanjan.

Unit-5 : Chhattisgarh: Folkart and Culture.

REFERENCE BOOKS :

1. Chhattisgrah Tribes and Culture by Bishnu Mohan Panda
2. Culture of Chhattisgarh by Vinod Verma

Semester-III
CORE COURSES

1 (DSCC) Major प्रथम प्रश्न पत्र

जनजातीय समाज

उद्येश्य :– जनजातीय समाजशास्त्र एवं समाज इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत छात्र जनजातियॉ उसकी अवधारणाएँ विशेषताएँ, जनजातियाँ और अनुसूचित जनजतियां इनके बीच भेद जनजाति और जाति के भेद से अवगत होंगे। जनजातीय लोगो का वर्गीकरण से परिचित होगा, खाद्य संग्रहक और शिकारी स्थानांतरित खेती, खानाबदोश, किसान बसे हुए कृषक और कारीगरों से संबंधित जानकारी प्राप्त करेगा। सामाजिक सांस्कृतिक रुप रेखा रिश्तेदारी, विवाह परिवार, धर्म और विश्वास, सांस्कृतिक परम्पराओं की जानकारी प्राप्त करेगा।

इकाई–1 जनजातियाँ अवधारणाएँ विशेषताएँ, जनजातियाँ और अनुसूचित जनजतियां इनके बीच भेद जनजाति और जाति

इकाई–2 जनजातीय लोगो का वर्गीकरण खाद्य संग्रहक और शिकारी स्थानांतरित खेती, खानाबदोश, किसान बसे हुए कृषक और कारीगार

इकाई–3 सामाजिक सांस्कृतिक रुप रेखा रिश्तेदारी, विवाह परिवार, धर्म और विश्वास, सांस्कृतिक परम्पराएं

इकाई–4 जनजातिय संवेदीकरण, जनजातीय गतिशीलता, जनजातीय विकास की योजनाएं, विभिन्न जनजातीय आन्दोलन

इकाई–5 जनजातीय लोगो की समस्याएं, गरीबी, निरक्षरता ऋणग्रस्तता, कृषि संबंधी मुद्दे, छत्तीसगढ़ में जनजातीय समुदायों के शोषण के लिए विशेष सुधार के साथ अध्ययन विशेष रुप से जनजातिय समूह (पी.वी.टी.जी)

सन्दर्भ ग्रंथ सूची :–

1. डॉ. एम. एम. लवानिया, राशी के जैन–Sociology of Trbes in India भारत में जनजातियों का समाजशास्त्र
2. हसन नदीम, भारत में जनजातीय हरनाम पब्लिकेशन नई दिल्ली
3. महाजन, धर्मवीर, जनजातीय समाज का समाजशास्त्र, विवके प्रकाशन, नई दिल्ली
4. शर्मा श्रीनाथ, जनजातीय समाजशास्त्र, हिन्दी ग्रंथ अकादम, भोपाल
5. Sing K.S. Tribal Situation in India, Hariname Publication New Delhi

परिणाम :–

जनजातीय संवेदीकरण, जनजातीय गतिशीलता, जनजातीय विकास की योजनाएं, विभिन्न जनजातीय आन्दोलन से परिचित होगा।जनजातीय लोगो की समस्याएं, गरीबी, निरक्षरता ऋणग्रस्तता, कृषि संबंधी मुद्दे, छत्तीसगढ़ में जनजातीय समुदायों के शोषण के लिए विशेष सुधार के साथ अध्ययन विशेष रुप से जनजातिय समूह (पी.वी.टी.जी) की जानकारी प्राप्त करेगा।

(DSCC) Major First Paper

Tribal Society

Objective:-
Tribal Sociology and Society Under this question paper, students will be aware of tribes, their concepts, characteristics, tribes and scheduled tribes, differences between them, difference between tribe and caste. Will get acquainted with the classification of tribal people, will get information related to food gatherers and hunters, shifting cultivation, nomads, farmers, settled farmers and artisans. Will get information about socio-cultural framework, kinship, marriage family, religion and beliefs, cultural traditions.

Unit-1 Tribes Concepts Characteristics, Distinctions among Tribes and Scheduled Tribes

Unit-2 Classification of Tribal People Food Gatherers and Hunters Shifting Cultivators, Nomads, Peasants Settled Agriculturists and Artisans

Unit-3 Socio Cultural Profile Kinship, Marriage Family, Religion and Beliefs, Cultural Traditions

Unit-4 Tribal Sensitization, Tribal Mobility, Tribal Development Schemes, Various

Tribal Movements

Unit-5 Problems of Tribal People, Poverty, Illiteracy Indebtedness, Agrarian Issues, Study with Special Remedies for the Exploitation of Tribal Communities in Chhattisgarh Particularly Promoted Tribal

Groups (PVTGs)

Bibliography:-1. Dr. M.M. Lavania, Rashi K Jain-Avib Vaishnavhal, Jitame Pad Pdkpan India Mein

Sociology of Tribes
2. Hasan Nadeem, Tribals in India Harnam Publication New Delhi
3. Mahajan, Dharamvir, Sociology of Tribal Society, Vivek Publication, New Delhi
4. Sharma Shrinath, Tribal Sociology, Hindi Granth Academy, Bhopal
5. Adinath, Tribal Development, Tribal Development, Tribal Development, Tribal Development

Outcome:- Will get acquainted with tribal sensitization, tribal mobilization, tribal development schemes, various tribal movements. Problems of tribal people, poverty, illiteracy, indebtedness, agriculture related issues, study with special reforms for exploitation of tribal communities in Chhattisgarh, especially tribal groups (PVTG) will obtain the information.

2 (DSCC) Major द्वितीय पत्र–

प्रतिनिधि राजनीतिक विचारक एवं विचारधारा

पाठ्यक्रम का उद्देश्यः

पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारतीय राजनीतिक चिंतन की विविध परंपराओं से परिचित कराना है। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को प्राचीन भारत के उन विचारकों के विचारों से परिचित कराना है जिनके विचार भारतीय राजनीतिक चिंतन में विद्यमान विभिन्न दृष्टिकोणों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तीसरा, पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारकों द्वारा प्रतिपादित प्रमुख विषयों और विचारों से भी परिचित कराना है।

पाठ्यक्रम के परिणामः

यह पेपर छात्रों को भारतीय राजनीतिक चिंतन में विद्यमान बहुलवादी दृष्टिकोणों को समझने में मदद करेगा।
यह छात्रों को प्राचीन और आधुनिक दोनों राजनीतिक चिंतन में प्रमुख विचारकों और उनके विचारों को समझने में मदद करेगा।
यह पाठ्यक्रम भारतीय और पश्चिमी राजनीतिक चिंतन में विद्यमान मूलभूत अंतर को स्पष्ट करेगा।

इकाई – 1

भारतीय राजनीतिक चिंतन की नींव
प्राचीन भारतीय चिंतन की विशेषताएँ
मनु (सामाजिक नियम) और कौटिल्य (शासन का सिद्धांत) के राजनीतिक विचार
बौद्ध राजनीतिक चिंतन (राजत्व का सिद्धांत। दिग् निकाय)

इकाई – 2

आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन की नींवरू राजा (औपनिवेशिक प्रभाव)
राममोहन रायरू (स्वतंत्रता और अधिकारों की अवधारणा)
विवेकानंद, अरबिंदो घोष और आर.एन. टैगोर (राष्ट्र, राष्ट्रवाद और विश्वव्यापीकरण)

इकाई– 3

बाल गंगाधर तिलक (स्वराज)
पंडिता रमा बाई

इकाई– 4

एम. एन. रॉय (कट्टरपंथी मानवतावाद)
जे.एल. नेहरू, आर.एम. लोहिया और जे.पी. नारायण (लोकतंत्र और समाजवाद की अवधारणा)

इकाई– 5

गाँधी (स्वराज)
डॉ. बी.आर. अम्बेडकर (अस्पृश्यता)
दीन दयाल उपाध्याय (एकात्म मानववाद)

आवश्यक पठन सामग्री :

चटर्जी पार्थ, राष्ट्रवादी विचार और औपनिवेशिक विश्व एक व्युत्पन्न विमर्श ? संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के लिए ज़ेड बुक्स, लंदन, 1986,

वी.आर. मेहता और थॉमस पैंथम, (सं.), आधुनिक भारत में राजनीतिक विचाररू विषयगत अन्वेषण, नई दिल्ली, सेज, 2006,

डी. डाल्टन, (1982) 'नवप्रवर्तन की निरंतरताश, 'भारतीय स्वतंत्रता का विचाररू स्वामी विवेकानंद, अरबिंदो चौसे, रवींद्रनाथ टैगोर और महात्मा गांधी के राजनीतिक विचार' में, एकेडमिक प्रेस, गुड़गांव, पृष्ठ 1–28।

आर. रॉय। (1991) 'यीशु के उपदेश, शांति और प्रसन्नता के मार्गदर्शक'। एस. हे, (सं.) भारतीय परंपरा के स्रोत, खंड 2। दूसरा संस्करण। नई दिल्ली, पेंगुइन, पृष्ठ 24–29।

स्वामी विवेकानंद, दिल्ली ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, पृष्ठ 62–79। एच. रुस्तव, (1998) स्वामी विवेकानंद और आदर्श समाज, डब्ल्यू. रेडिस (सं.), स्वामी विवेकानंद और आधुनिकीकरण में।

एम. गांधी, (1991) सत्याग्रह आत्मा की शक्ति से अन्यायपूर्ण संबंधों का रूपांतरण, एस. हे (सं.), भारतीय परंपरा के स्रोत, खंड 2। द्वितीय संस्करण, नई दिल्ली पेनपेन, पृष्ठ 265–270।

प्रेस, पृष्ठ 154–190। आंबेडकर सामाजिक न्याय। बी. आंबेडकर, (1991) संविधान सभा वाद–विवाद, एस. हे (सं), भारतीय परंपरा के स्रोत, खंड 2। द्वितीय संस्करण, नई दिल्ली पेंगुइन, पृष्ठ 342–347।

टैगोर राष्ट्रवाद की आलोचना आर. टैगोर, (1994) 'द नेशन', एस. दास (सं.), रवींद्रनाथ टैगोर के अंग्रेजी लेखन, खंड 3. नई दिल्ली साहित्य अकादमी, पृ.548–551.

(DSCC) Major

REPRESENTATIVE POLITICAL THINKERS

Course Objective:

The purpose of the course is to introduce the students with the plural traditions of Indian Political Thought. The major objective of the course is to introduce the students with the thoughts of thinkers of Ancient India whose thoughts play a constitutive role in the formation of various perspectives which exist in Indian Political Thought. Thirdly the course is also intended to introduce students with the major themes and Ideas propounded by Modern Indian Political Thinkers.

Course Outcomes:

- Paper will help students to understand the plural perspectives exist in Indian Political Thought
- It will help students to understand the major thinkers and their idea in both ancient and Modern Political Thought
- Course will clarify the basic difference that exists in Indian and western Political Thought

UNIT I:

- Foundations of Indian Political Thought
- Characteristics of Ancient Indian Thought
- Political Ideas of Manu (Social laws) & Kautilya (Theory of Government)
- Buddhist Political Thought Theory of Kingship. Diga Nikaya)

Unit II

- Foundations of Modern Indian Political Thought Raja (Colonial Influences)
- Rammohan Roy: (Concept of Freedom & Rights)
- Vivekananda, Aurobindo Ghosh & R.N. Tagore (Nation, Nationalism & Cosmopolitanism)

Unit-III

- Bal Gangadhar Tilak (Swaraj)
- Pandita Rama Bai

Unit-IV

- M. N. Roy(Radical Humanism)
- J.L Nehru, R.M.Lohiya & J.P. Narayan (Concept of Democracy & Socialism)

Unit V

- Gandhi (Swaraj)
- Dr B.R. Ambedkar (untouchability)
- Deen Dayal Upadhyaya (Integral Humanism)

Essential Readings:

- Chatterjee Partha, Nationalist thought and the Colonial World: A Derivative Discourse? Zed Books for United Nations University, London, 1986,

- V.R.Mehta and Thomas Pantham, (ed.), Political Ideas in Modern India: Thematic Explorations, New Delhi, Sage, 2006,

- D. Dalton, (1982) 'Continuity of Innovation', in Indian Idea of Freedom: Political Thought of Swami Vivekananda, Aurobindo Chose, Rabindranath Tagore and Mahatma Gandhi, Academic Press: Gurgaon, pp.

1-28.

- R. Roy. (1991) The Precepts of Jesus, the Guide to Peace and Happiness'. S. Hay, (ed.) Sources of Indian Tradition, Vol. 2. Second Edition. New Delhi: Penguin, pp. 24 29.

- Swami Vivekananda, Delhi: Oxford University Press, pp. 62-79. H. Rustav, (1998) 'Swami Vivekananda and the Ideal Society' in W. Radice (ed.), Swami Vivekananda and the Modernisation

- M. Gandhi, (1991) 'Satyagraha: Transforming Unjust Relationships through the Power of the Soul', in S.Hay (ed.), Sources of Indian Tradition, Vol.2. Second Edition, New Delhi: Penpain, pp.265 270.

- Press, pp. 154-190 Ambedkar: Social Justice B. Ambedkar, (1991) Constituent Assembly Debates, S.Hay (ed.), Sources of es of Indian Tradition, Vol. 2. Second Edition, New Delhi: Penguin, pp. 342-347.

- Tagore: Critique of Nationalism R. Tagore, (1994) "The Nation', S. Das (ed.), The English Writings of Rabindranath Tagore, Vol. 3. New Delhi: Sahitya Akademi, pp.548-551.

3 (DSCC) Major तृतीय पत्र

भारत का इतिहास 750 ई. से 1600 ई. तक

इकाई–1

1. **प्रारंभिक मध्यकालीन भारत, 750–1200 :**

राजनीतिः उत्तरी भारत और प्रायद्वीप में प्रमुख राजनीतिक घटनाक्रम, राजपूतों की उत्पत्ति और उत्थान।
चोलः प्रशासन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और समाज ष्भारतीय सामंतवादष्।
कृषि अर्थव्यवस्था और शहरी बस्तियाँ।
व्यापार और वाणिज्य।
स्माजः ब्राह्मणों की स्थिति और नई सामाजिक व्यवस्था।
महिलाओं की स्थिति।
भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी।

2. **भारत में सांस्कृतिक परंपराएँ, 750–1200**

दर्शन : शंकराचार्य और वेदांत, रामानुज और विशिष्टाद्वैत, माधव और ब्रह्म मीमांसा।
धर्म : धर्म के रूप और विशेषताएँ, तमिल भक्ति पंथ, भक्ति का विकास, इस्लाम और भारत में इसका आगमन, सूफीवाद।
साहित्य : संस्कृत साहित्य, तमिल साहित्य का विकास, नव विकसित भाषाओं का साहित्य, कल्हण की राजतरंगिणी, अलबरूनी का भारत।
कला और स्थापत्यरू मंदिर स्थापत्य, मूर्तिकला, चित्रकला।

इकाई–2

3. **तेरहवीं शताब्दी :**

दिल्ली सल्तनत की स्थापना और प्रारंभिक तुर्की सुल्तान।
समेकनः इल्तुतमिश और बलबन का शासन।

4. **चौदहवीं शताब्दीः**

'खलजी क्रांति'।
अलाउद्दीन खिलजीः विजय और क्षेत्रीय विस्तार, कृषि और आर्थिक उपाय।
मुहम्मद तुगलकः प्रमुख परियोजनाएँ, कृषि उपाय, मुहम्मद तुगलक की नौकरशाही।
फ़िरोज़ तुगलकः कृषि संबंधी उपाय, सिविल इंजीनियरिंग और सार्वजनिक कार्यों में उपलब्धियाँ, सल्तनत का पतन

5. **तेरहवीं और चौदहवीं शताब्दी में समाज, संस्कृति और अर्थव्यवस्था**

समाज : ग्रामीण समाज की संरचना, शासक वर्ग, नगरवासी, महिलाएँ, धार्मिक वर्ग, सल्तनत के अधीन जाति और दास प्रथा, भक्ति आंदोलन, सूफी आंदोलन।
संस्कृतिः फ़ारसी साहित्य, उत्तर भारत की क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य, दक्षिण भारत की भाषाओं में साहित्य, सल्तनतकालीन वास्तुकला और नए संरचनात्मक रूप, चित्रकला, एक मिश्रित संस्कृति का विकास।

इकाई–3

6. **पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी का प्रारंभिक काल – राजनीतिक विकास और अर्थव्यवस्थाः**

प्रांतीय राजवंशों का उदयः बंगाल, कश्मीर (ज़ैनुल आबेदीन), गुजरात।
मालवा, बहमनी।

विजयनगर साम्राज्य।
लोदी। – मुगल साम्राज्य, प्रथम चरणरू बाबर, हुमायूँ।
सूर साम्राज्यः शेरशाह का प्रशासन।

7. पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी का आरंभ – समाज और संस्कृतिः

क्षेत्रीय संस्कृतियों की विशिष्टताएँ।
साहित्यिक परंपराएँ।
प्रांतीय स्थापत्य कला।
विजयनगर साम्राज्य में समाज, संस्कृति, साहित्य और कलाएँ।

इकाई–4

8. अकबर :

विजय और साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण।
जागीर और मनसब प्रणालियों की स्थापना।
राजपूत नीति।
धार्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण का विकास। सुलह–ए–कुल का सिद्धांत और धार्मिक नीति।
कला और प्रौद्योगिकी को दरबारी संरक्षण।

9. सत्रहवीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य :

जहाँगीर, शाहजहाँ और औरंगजेब की प्रमुख प्रशासनिक नीतियाँ।
साम्राज्य और जमींदार।
जहाँगीर, शाहजहाँ और औरंगजेब की धार्मिक नीतियाँ।
मुगल राज्य की प्रकृति।
सत्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध का संकट और विद्रोह।
शिवाजी और प्रारंभिक मराठा साम्राज्य।

इकाई–5

10. 16 वीं और 17वीं शताब्दी में अर्थव्यवस्था और समाजः

जनसंख्या कृषि और शिल्प उत्पादन।
नगर, डच, अंग्रेजी और फ्रांसीसी कंपनियों के माध्यम से यूरोप के साथ वाणिज्यरू एक व्यापार क्रांति।
भारतीय व्यापारी वर्ग। बैंकिंग, बीमा और ऋण प्रणालियाँ।
किसानों की स्थिति, महिलाओं की स्थिति।
सिख समुदाय और खालसा पंथ का विकास।

11. मुगल साम्राज्य के दौरान संस्कृति :

फारसी इतिहास और अन्य साहित्य।
हिंदी और धार्मिक साहित्य।
मुगल वास्तुकला।
मुगल चित्रकला।
प्रांतीय वास्तुकला और चित्रकला।
शास्त्रीय संगीत।
विज्ञान और प्रौद्योगिकी

(DSCC) Major

HISTORY 0F INDIA FROM 750 A.D TO 1600 A.D

Unit- 1

1. Early Medieval India, 750-1200:

- Polity: Major political developments in Northern India and the peninsula, origin, and the rise of Rajputs.
- The Cholas: administration, village economy and society "Indian Feudalism".
- Agrarian economy and urban settlements.
- Trade and commerce.
- Society: the status of the Brahman and the new social order.
- Condition of women.
- Indian science and technology.

2. Cultural Traditions in India, 750-1200:

- Philosophy: Skankaracharya and Vedanta, Ramanuja and Vishishtadvaita, Madhva and Brahma Mimansa.
- Religion: Forms and features of religion, Tamil devotional cult, growth of Bhakti, Islam and its arrival in India, Sufism.
- Literature: Literature in Sanskrit, growth of Tamil literature, literature in the newly developing languages, Kalhan's Rajtarangini, Alberuni's India.
- Art and Architecture: Temple architecture, sculpture, painting.

UNIT-2

3. The Thirteenth Century:

- Foundation of Delhi Sultanate and early Turkish Sultans.
- Consolidation: The rule of Iltutmish and Balban

4. The Fourteenth Century:

- "The Khalji Revolution".
- Alauddin Khalji: Conquests and territorial expansion, agrarian and economic measure.
- Muhammad Tughluq: Major projects, agrarian measures, bureaucracy of Muhammad Tughluq.
- Firuz Tugluq: Agrarian measures, achievements in civil engineering and public works, decline of the Sultanate

5. Society, Culture and Economy in the Thirteenth and Fourteenth Centuries:

- Society: composition of rural society, ruling classes, town dwellers, women, religious classes, caste and slavery under the Sultanate, Bhakti movement, Sufi movement.
- Culture: Persian literature, literature in the regional languages of North India, literature in the languages of South India, Sultanate architecture and new structural forms, painting, evolution of a composite culture.

UNIT-3

6. The Fifteenth and Early Sixteenth Century-Political Developments and Economy:

- Rise of Provincial Dynasties: Bengal, Kashmir (Zainul Abedin), Gujarat.
- Malwa, Bahmanids.
- The Vijayanagara Empire.
- Lodis. — Mughal Empire, First phase: Babur, Humayun.
- The Sur Empire: Sher Shah's administration.

7. The Fifteenth and Early Sixteenth Century- Society and culture:

- Regional cultures specificities.
- Literary traditions.
- Provincial architectural.
- Society, culture, literature, and the arts in Vijayanagara Empire.

UNIT-4

8. Akbar:

- Conquests and consolidation of empire.
- Establishment of jagir and mansab systems.
- Rajput policy.
- Evolution of religious and social outlook. Theory of Sulh-i-kul and religious policy.
- Court patronage of art and technology.

9. Mughal Empire in the Seventeenth Century:

- Major administrative policies of Jahangir, Shahjahan, and Aurangzeb.
- The Empire and the Zamindars.
- Religious policies of Jahangir, Shahjahan, and Aurangzeb.
- Nature of the Mughal State.
- Late Seventeenth-Century crisis and the revolts.
- Shivaji and the early Maratha Kingdom.

UNIT-5

10. Economy and society, in the 16th and 17th Centuries:

- Population Agricultural and craft production.
- Towns, commerce with Europe through Dutch, English and French companies: a trade revolution.
- Indian mercantile classes. Banking, insurance, and credit systems.
- Conditions of peasants, Condition of Women.
- Evolution of the Sikh community and the Khalsa Panth.

11. Culture during Mughal Empire:

- Persian histories and other literature.
- Hindi and religious literatures.
- Mughal architecture.
- Mughal painting.
- Provincial architecture and painting.
- Classical music.
- Science and technology.

4 (AEC)

हिन्दी भाषा एवं समसामयिकी

उद्देश्य–हिन्दी भाषा की विभिन्न विधाओं से परिचित करना, साहित्यिक अभिरूचि निर्माण करना, व्याकरण का ज्ञान और प्रयोग से दक्षता निर्माण करना।

पाठ्यांश

इकाई 1 : हिन्दी भाषा की संरचना

अ) वर्ण विचार – 1. वर्णमाला 2. वर्तनी 3. संधि

ब) शब्द विचार – शब्द भेद – उत्पत्ति के आधार पर, रचना के आधार पर , प्रत्यय, उपसर्ग

स) वाक्य के भेद – 1. रचना के आधार पर 2. अर्थ के आधार पर, 3. वाक्य शुद्धि, कहावते, व मुहावरे, विराम चिन्हों का प्रयोग।

इकाई 2: हिन्दी की प्रमुख प्रतिनिधि रचनाएँ,

अ) भारतमाता (कविता) – सुमित्रानंदन पंत,

ब) बहुत बड़ा सवाल (एकांकी)– मोहन राकेश,

इकाई 3 : अनुवाद प्रविधि

अ) अनुवाद का अर्थ, क्षेत्र

ब) हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका

इकाई 4: निबंध

अ) प्रौद्योगिकी एवं नगरीकरण – डॉ. रामशंकर तिवारी।

ब) आधुनिक तकनीकी सभ्यता– डॉ. रामशंकर तिवारी।

स) पर्यावरण प्रदूषण तथा धारणीय विकास– डॉ. चन्द्रलेखा रघुवंशी।

इकाई 5: कार्यालयीन पत्र एवं आलेख

अ) कार्यालयीन पत्र एवं आलेख–परिपत्र, आदेश, अधिसूचना

ब) ज्ञापन– अनुस्मारक, पृष्ठांकन

परिणाम – छात्र हिन्दी की भाषिक एवं साहित्यिक विशेषताओं से परिचित होगें, भाषा के साहित्य एवं व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर इसके अनुप्रयोग में समर्थ होंगे।

REFERENCE BOOKS:

1. भारतमाता – सुमित्रानंदन पंत
2. बहुत बड़ा सवाल – मोहन राकेश
3. हिन्दी शब्द सागर– डॉ. किशोरीदास बाजपेयी
4. हिन्दी का व्याकरणिक अध्ययन– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. भाषा और साहित्य– डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी भाषाः संरचना एवं प्रयोग – सुनीता मिश्रा

5 (IKS)

भारत एक परिदृश्य

इकाई–1 भारतीय संस्कृति की पृष्ठभूमि

* परिचय व विस्तार
* सिंधु घाटी सभ्यता,वैदिक काल
* बौद्ध धर्म, जैन धर्म, हिंदू धर्म

इकाई – 2 भारत का भूगोल एवं जनसंख्या

* आकार एवं स्थान
* प्रभाग और पर्वत
* जनसंख्या वितरण
* भारत की जनसंख्या की प्रमुख विशेषताएँ एवं जनसंख्या के चरण

इकाई –3 भारतीय संविधान

* संविधान की प्रस्तावना
* संविधान की विशेषताएं
* मौलिक अधिकार
* मौलिक कर्तव्य

इकाई –4 भारत के महान व्यक्तित्व

* गांधीः मोहनदास से महात्मा बनने का सफर
* जवाहरलाल नेहरू, सुभाषचंद्र बोस
* डॉ राजेंद्र प्रसाद

इकाई –5

* भारत में शिक्षा का विकास
* भारतीय साहित्य

6 (SEC)

Computer System Architecture and Digital Electronics

Unit 1 Computer Organization

* Introduction of Computers
* Components of Computer
* Types of Memory

Unit 2 Digital System and Boolean Algebra

* Understanding digital systems
* Number systems
* Boolean functions

Unit 3 Gate-Level Minimization

* Introduction to GATE level Minimization
* Karnaugh Maps
* logic gate implementations

Unit 4 Computer Software

* Fundamentals of Computer Software
* Software Development process
* System Architecture

Unit 5 Cyber Security

* Introduction to Cyber security
* Types of cyber-attacks
* Future Trends in Cyber security

(GE)

भारत में धार्मिक पर्यटन स्थल

इकाई–1

हिंदू धर्मः चार धामयात्रा, उत्तराखंड की चार धामयात्रा, 12 ज्योतिर्लिंग, कुंभ मेला।

इकाई 2

बौद्ध धर्मः बोधगया, सारनाथ, वैशाली और कुशीनगर

इकाई–3

इस्लाम और ईसाई धर्म अजमेर, हाजी अली दरगाह (मुंबई),
हजरतबल श्राइन (श्रीनगर), गोवा।

इकाई–4

जैन धर्मः सम्मेदशिखर (झारखंड), गिरनार (गुजरात), पावापुरी (बिहार), दिलवाड़ा मंदिर (राजस्थान) आदि।

इकाई–5

सिख धर्मः अमृतसर, भटिंडा, पटना आदि।

धार्मिक आस्था :

1. द ग्रेट इंडियन पिलग्रिमेज टूरिज्म, डॉ. अंशुमाली पांडे द्वारा
2. राजेश सिंह द्वारा तीर्थयात्रा पर्यटन

(GE)

Pilgrimage tourism in India

Unit-1

Hinduism: Char dhamYatra , Char dhamYatra of Uttarakhand , 12 Jyotirlingas, Kumbh Mela .

Unit-2

Buddhism : Bodhgaya ,Sarnath, Vaishali & Kushinagar

Unit-3

Islam &Christianity : Ajmer, Haji Ali Dargah (Mumbai),
Hazratbal Shrine(Srinagar), Goa.

Unit-4

Jainism: sammedshikhar(Jharkhand), Girnar (Gujarat), Pawapuri (Bihar), Dilwara Temples(Rajasthan) etc.

Unit-5

Sikhism: Amritsar ,Bhatinda, Patna etc.

REFERENCE BOOKS :

1.The Great Indian Pilgrimage Tourism by Dr. Anshumali Pandey

2. Pilgrimage Tourism by Rajesh Singh

Semester-IV
CORE COURSES

1 (DSCC) Major प्रथम प्रश्न पत्र–

सामाजिक संरचना एवं सामाजिक स्तरीकरण

उद्देश्य :– इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत छात्र सामाजिक संरचना एवं सामाजिक स्तरीकरण से परिचित होगा तथा सामाजिक संरचना का ज्ञान प्राप्त होगा। सामाजिक स्तरीकरण अर्थ–परिभाषा एवं प्रकार का परिचय प्राप्त करता है। सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त करता है।

इकाई–1 सामाजिक संरचना

इकाई–2 सामाजिक स्तरीकरण अर्थ–परिभाषा एवं प्रकार

इकाई–3 सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धांत

इकाई–4 वर्ग अर्थ प्रकार एवं निर्धारक

इकाई–5 सामाजिक समूह अर्थ परिभाषा एवं विशेषताएं सामाजिक समूह व प्रकार समिति, संस्थाएं (विवाह परिवार धर्म)

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. महाजन डॉ. धर्मवीर ग्रामीण एवं सामाजिक समाज शास्त्र विवेवक प्रकाशन नई दिल्ली
2. पाण्डे गणेश एवं पाण्डेय अरुणा– सैधान्तिक समाजशास्त्र राधा पब्लिकेशन नई दिल्ली
3. दोषी व जैन–2009 भारतीय समाज संरचना और परिवर्तन, नेशनल पब्लिकेशन हाउस दिल्ली
4. सिंह शशिभूषण, राजनीतिक समाजशास्त्र के विविध आयाम, अजुर्न पब्लिशिंग हाऊस नई दिल्ली

परिणाम :– वर्ग का अर्थ, प्रकार एवं निर्धारक तत्वों का परिचय प्राप्त होता है। सामाजिक समूह का अर्थ परिभाषा एवं विशेषताएं ,सामाजिक समूह व प्रकार समिति, संस्थाएं (विवाह परिवार धर्म) की विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है।

2 (DSCC) Major द्वितीय प्रश्न पत्र

विश्व के प्रतिनिधि विचारक

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

इसका उद्देश्य छात्रों को पश्चिमी राजनीतिक विचारकों द्वारा संबोधित राजनीतिक दर्शन के प्रश्नों, विचारों और मूल्यों से परिचित कराना है। यह छात्रों को मूल ग्रंथों का अध्ययन और उनके दर्शन की विभिन्न व्याख्याओं को समझने के माध्यम से पश्चिमी राजनीतिक चिंतन में प्रमुख बहसों और विचारों से परिचित कराएगा। यह विचारों के इतिहास में कुछ विचारकों को कालानुक्रमिक रूप से शामिल करेगा और उनके दर्शन का मूल्यांकन उन संदर्भों के संदर्भ में करेगा जिनमें ये विकसित हुए। यह उन्हें समकालीन समाज और राजनीति में प्रमुख बहसों को समझने में सक्षम बनाएगा।

पाठ्यक्रम के परिणाम :

पाठ्यक्रम के अंत तक छात्र निम्नलिखित में सक्षम होंगे:

पाठ को पढ़ना और उसकी व्याख्या करना और समकालीन सामाजिक–राजनीतिक मुद्दों पर उनका उपयोग करना।

पश्चिमी राजनीतिक दर्शन में मौलिक विचारों की पहचान करें

प्रमुख राजनीतिक विचारों के बारे में ज्ञान प्राप्त करें और राजनीतिक विचारों की आलोचनात्मक समझ विकसित करें

राज्य, राजनीति, सरकार, संप्रभुता, नागरिकता आदि के विभिन्न दृष्टिकोणों और दृष्टिकोणों को समझें।

इकाई – 1

प्राचीन यूनानी राजनीतिक विचार

प्राचीन यूनानी राजनीतिक विचार की विशेषताएँ।

प्लेटो: न्याय, साम्यवाद, शिक्षा, आदर्श राज्य, उप–आदर्श राज्य।

अरस्तू: राज्य की पद्धति, उत्पत्ति, प्रकृति और अंत, संपत्ति और दासता, क्रांति, न्याय और नागरिकता।

इकाई – 2

मैकियावेली: जीवन और समय, धर्म, नैतिकता, राज्य, कूटनीति पर उनके विचार, उनका महत्व

इकाई – 3

हॉब्स, लॉक, रूसो– प्रकृति की स्थिति, सामाजिक अनुबंध, संप्रभुता, राज्य, रूसो की सामान्य इच्छा की अवधारणा

मैरी वोलस्टोनक्राफ्ट: महिलाओं के अधिकार

इकाई – 4

बेंथम : उपयोगितावाद, उनका महत्व

जे. एस. मिल: उपयोगितावाद का संशोधन, स्वतंत्रता, लोकतंत्र, उनका महत्व

टी.एच. ग्रीनः आदर्शवाद, व्यक्तिवाद, राज्य, अधिकार

इकाई – 5

हेगेलः द्वंद्ववाद, राज्य, उनका महत्व

मार्क्सः द्वंद्वात्मक भौतिकवाद, इतिहास का आर्थिक विश्लेषण, वर्ग संघर्ष का सिद्धांत, क्रांति और साम्यवाद, मार्क्स का महत्व

लेनिनः राज्य, क्रांति, पार्टी और साम्राज्यवाद।

अनुशंसित पुस्तकें

ब्रायन आर नेल्सन पश्चिमी राजनीतिक विचार (दूसरा संस्करण)

बी.आर. पुरोहित राजनीति चिंतन का इतिहास

सी.एल.. वेपर राजनीतिक विचार

डॉ भंडारी यूरोपीय राजनीतिक विचार का इतिहास

डेविड मैक लेलन कार्ल मार्क्स के राजनीतिक विचार।

अर्नेस्ट बार्कर प्लेटो और अरस्तू

जीएच सबाइन और थोरसनरू राजनीतिक विचारों का इतिहास

जे. पी. सुदा आधुनिक राजनीति विचार

मुखर्जी और रामास्वामी राजनीतिक विचार का इतिहास (अंग्रेजी और हिंदी)

के.एल..कमलः पश्चत्य राजनीति चिंतन

मार्टिन कोहेनरू प्लेटो से मार्क्स तक राजनीतिक दर्शन

ओपी गणबारू राजनीति चिंतन का इतिहास

आर.एस. चौरसियारू पश्चिमी राजनीतिक विचार का इतिहास

राम चन्द्र शर्मा राजनीति चिंतन खंड A I और II

सुखबीर सिंहरू राजनीतिक चिंतन का इतिहास

मैरी वोलस्टोनक्राफ्टरू महिलाओं के अधिकारों की पुष्टि राजनीतिक और नैतिक विषयों पर कड़े शब्दों के साथ

विलियम ए डनिंग राजनीतिक सिद्धांत का इतिहास, खंड 1 और II

शेफाली झा पश्चिमी राजनीतिक चिंतनरू प्राचीन यूनानी से आधुनिक काल तक

डेविड बाउचर और पॉल केलीः सुकरात से लेकर वर्तमान तक के राजनीतिक विचारक

(DSCC) Major -2

LEADING POLITICAL THINKERS OF THE WORLD

Course Objectives:

The aim is to introduce to the students the questions, ideas and values of political philosophy addressed by the western political thinkers. It will introduce the students to the key debates and ideas in Western political thought by initiating reading of original texts and understanding the different interpretations of their philosophies. It will cover a few thinkers chronologically in the history of ideas and aim to evaluate their philosophy with reference to the contexts in which these grew. It will enable them to understand key debates in contemporary society and politics.

Course Outcomes:

By the end of the course students would be able to:

- Understand how to read and interpret the text and use them to employ contemporary socio-political issues.
- Identify the fundamental thought in the western political philosophy
- Acquire knowledge about the dominant political views and develop a critical understanding of the political thought
- Understand different perspectives and approaches to state, politics, government, sovereignty, citizenship and so on.

UNIT I

- Ancient Greek Political Thought
- Characteristics of Ancient Greek Political Thought.
- Plato: Justice, Communism, Education, Ideal State, Sub-Ideal State.
- Aristotle: Method, Origin, Nature and End of State, Property and Slavery, Revolution, Justice and Citizenship.

UNIT II

- Machiavelli: Life and Times, Views on Religion, Morality, State, Diplomacy, his importance

UNIT III

- Hobbes, Locke, Rousseau: State of Nature, Social Contract, Sovereignty, State, Rousseau's concept of General Will
- Mary Wollstonecraft: The Rights of Woman

UNIT IV

- Bentham: Utilitarianism, His importance
- J. S. Mill: Revision of Utilitarianism, Liberty, Democracy His Importance
- T.H. Green: Idealism, Individualism, State, Rights

UNIT V

- Hegel: Dialectics, State, His Importance
- Marx: Dialectical Materialism, Economic Analysis of History, Theory of Class Conflict, Revolution and Communism, Importance of Marx

- Lenin: State, Revolution, Party and Imperialism.

BOOKS RECOMMENDED

- Brian R Nelson: Western Political Thought (Second Ed)
- B.R. Purohit: Rajnitik Chintan Ka Itihas
- C.L.. Wayper: Political Thought
- D.R. Bhandari: A History of European Political Thought
- David Mc Lellan: Political Thought of Karl Marx.
- Ernest Barker: Plato and Aristotle
- GH Sabine and Thorson: History of Political Ideas
- J. P. Suda: Adhunik Rajnitik Vichar I
- Mukherjee and Ramaswamy: A History of Political Thought (English & Hindi)
- K.L.. Kamal: Pashchatya Rajnitik Chintan
- Martin Cohen: Political Philosophy from Plato to Marx
- O.P. Ganba: Rajnitik Chintan ka Itihas
- R.S. Chaurasia: History of Western Political thought
- Ram Chandra Sharma: Rajnitik Chintan Vol. I & II
- Sukhbir Singh: History of Political Thought
- Mary Wollstonecraft: The Vindication of the Rights of Women: With Strictures on Political and Moral Subjects
- William A Dunning: A Histories of Political Theory, VOL.1 & II
- Shefali Jha: Western Political Thought: Ancient Greeks to Modern Times
- David Boucher & Paul Kelly: Political Thinkers from Socrates to the Present

3 (DSCC) Major तृतीय प्रश्न पत्र

विश्व का इतिहास (साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद से लेकर द्वितीय विश्व युद्ध तक)

इकाई –1 यूरोपीय संघ

पवित्र यूरोपीय संघ की स्थापना एवं इसका महत्व

1830 की फ्रांसीसी क्रांति

पूर्वी समस्या

इकाई –2 गृह युद्ध

अमेरिकी गृह–युद्ध

गृह–युद्ध का आरंभ, लिंकन की भूमिका एवं अमेरिकी गृह–युद्ध की प्रमुख घटनाएँ,

राष्ट्रवादियों और देशभक्तों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम की तैयारियाँ

इकाई –3

गौरीवाल्डी का योगदान

इटली का एकीकरण

जर्मनी का एकीकरण

इकाई –4

मैटरनिस और जर्मनी

फ्रैंकफर्ट संसद की सफलता

एकीकरण की पुनः चेष्टा

इकाई –5

बिस्मार्क का उदय

बिस्मार्क की रक्त और तलवार नीति

3 (DSCC) Major

History of the World (From Imperialism and Colonialism to the Second World War)

Unit -1 European Union

- Establishment of the Holy European Union and its Importance
- French Revolution of 1830
- Eastern Problem

Unit -2 Civil War

- American Civil War
- Beginning of the Civil War, Lincoln's Role and Major Events of the American Civil War,
- Preparations for the War of Independence by Nationalists and Patriots

Unit -3

- Contribution of Gorivaldi
- Unification of Italy
- Unification of Germany

Unit -4

- Maternus and Germany
- Success of the Frankfurt Parliament
- Re-Attempt at Unification

Unit -5

- Rise of Bismarck
- Bismarck's Blood and Sword Policy

4 (DSEC) Minor

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और गाँधीवाद

इकाई –1 भारत में राष्ट्रवाद का उद्भव कारण प्रकृति एवं विकास

भारतीय राष्ट्रवाद का जन्मः कारण एवं काँग्रेस के प्रथम अधिवेशन में बताये गये उद्देश्य

प्रारंभिक दिनों में कांग्रेस की मांगें तथा उदार राष्ट्रीयता का मूल्यांकन

उग्रवादी आन्दोलन के उदय के कारण

बंगाल में उग्रराष्ट्रवाद और बंगाल का विभाजन

भारत में राष्ट्रवाद का विकास आरंभिक चरण

क्रांतिकारी आंदोलन.

विदेशों में कान्तिकारी कार्य और कान्तिकारी आन्दोलन का मूल्यॉकन

साम्प्रदायिकता का उदय तथा विकास

लखनऊ समझौता एवं मूल्यांकन, होमरूल लीग आन्दोलन।

इकाई – 2 राष्ट्रवाद का गाँधी युग एक

गांधी जी का प्रारंभिक राजनीतिक जीवन
असहयोग आन्दोलन कारण कार्यक्रम रोलेट एक्ट एवं उसका विरोध जलियावाला बाग हत्याकाण्ड। चोरीचौरा काण्ड और आन्दोलन की समाप्ति
साइमन कमीशन, सर्वदलीय सम्मेलन और नेहरू रिपोर्ट राविनय अवज्ञा आंदोलन
राष्ट्रवाद का गाँधी युग दो
1935 का भारत सरकार अधिनियम
भारत छोड़ो आन्दोलन
देशी राज्यों में राष्ट्रीय आन्दोलन
वेवल योजना और शिमला सम्मेलन

इकाई – 3 राष्ट्रीय आन्दोलन का अन्तिम चरण

1945–47 के जन–आन्दोलन

1945–47 के बीच राजनीतिक गतिविधियां

राष्ट्रीय आन्दोलन और समाजवादी विचारधारा

देश का विभाजन और स्वतन्त्र भारत की चुनौतियां

इकाई – 4 राष्ट्रवाद एवं सामाजिक वर्ग

भू–स्वामी, पेशेवर और मध्य वर्ग

किसान एवं श्रमिक वर्ग

जनजातियां एवं जनजातीय विद्रोह

भारत में दलित आंदोलन

(DSCC) Major –

Indian National Movement and Gandhism

Unit -1 Origin of Nationalism in India: Reasons, Nature and Development

- Birth of Indian Nationalism: Reasons and Objectives stated in the First Session of the Congress
- Demands of the Congress in the early days and evaluation of liberal nationalism
- Reasons for the rise of extremist movement
- Extremist nationalism in Bengal and partition of Bengal
- Development of nationalism in India: Initial phase
- Revolutionary movement.
- Evaluation of revolutionary activities and revolutionary movement in foreign countries
- Rise and development of communalism
- Lucknow Pact and evaluation, Home Rule League movement.

Unit - 2 Gandhi era of nationalism: A

- Early political life of Gandhiji
- Non-cooperation movement: Reasons, programs, Rowlatt Act and its opposition, Jallianwala Bagh massacre. Chauri Chaura Incident and End of the Movement
- Simon Commission, All Party Conference and Nehru Report Civil Disobedience Movement
- Gandhi Era of Nationalism
- Government of India Act of 1935
- Quit India Movement
- National Movement in the Princely States
- Wavell Plan and Shimla Conference

Unit - 3 Final Phase of the National Movement

- Mass Movements of 1945-47
- Political Activities between 1945-47
- National Movement and Socialist Ideology
- Partition of the Country and Challenges of Independent India

Unit - 4 Nationalism and Social Classes

- Land-owners, Professional and Middle Classes
- Peasants and Labour Classes
- Tribes and Tribal Revolts
- Dalit Movement in India

5 (AEC)

प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई –1 प्रयोजनमूलक हिन्दी अर्थ एवं परिचय व प्रयोग क्षेत्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय

पत्राचार– पत्र लेखन, पत्र के प्रकार की विशेषताएँ

इकाई –2 संक्षेपण एवं पल्लवन

संक्षेपण– अर्थ परिचय– प्रक्रिया एवं विशेषताएँ कार्यालयीन संक्षेपण

पल्लवन– अर्थ– परिभाषा–विधि व तत्व

इकाई –3 प्रारूपण एवं टिप्पणी

प्रारूपण एवं टिप्पण – प्रारूपण अर्थ व विशेषताएँ

टिप्पण– अर्थ व विशेषताएँ

इकाई – 4 प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता के विविध आयाम

पत्रकारिता

अवधारणा स्वरूप और वर्तमान परिदृश्य

सम्पादनकला अर्थ प्रकार, दायित्व प्रक्रियाएँ ,तकनीकी पक्ष

मीडिया लेखन– जनसंचार के विविध उपादान, विविध रूप, दृश्य, श्रव्य माध्यम और भाषा

माध्यमोपायोगी लेखन प्रविधि– अर्थ, प्रकार विशेषताएँ, भाषा शैली और प्रक्रियाँ

इकाई – 5 अनुवाद

अनुवाद – अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र एवं अनुवाद की समस्याएँ

6 (SEC)

IT Skills

Unit 1 Word Processing

- Working with Documents
- Page Styling and Formatting
- Inserting Illustrations
- Word Document Review
- Mail merge

Unit 2 Spreadsheet

- Introduction to Spreadsheet
- Insert Tab
- Formula Tab

Unit 3 Presentation

- Introduction to Presentation
- Slide Layout
- Adding Graphics to the Presentation

Unit 4 HTML Basics

- Introduction to HTML
- CSS: Styling the Web
- Introduction to HTML Forms

Unit 5 Web Designing

- Introduction to Web Designing Tools
- Publishing a Post
- Inserting Content to Webpage

7 (IKS)

भारतीय ज्ञान प्रणाली और दर्शन

इकाई –1 भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचय

भारतीय ज्ञान प्रणाली की अवधारणा

वेद उपवेद, वेदांग, दर्शन पुराण आदि का परिचय

ज्ञान के स्त्रोतः श्रुति, स्मृति, तर्क और अनुभव

भारतीय और पाश्चात्य ज्ञान प्रणाली में अंतर

इकाई – 2 वेद और वेदांग

वेदो की संरचनाः ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अर्थवेद

वेदो का साहित्यिक और दार्शनिक पक्ष

वेदांगः शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरूक्त, छंद, ज्योतिष

वेदो में सामाजिक और नैतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति

उपनिषद और दर्शन, मोक्ष की अवधारणा, षट्दर्शन, सांख्य और योग दर्शन

इकाई – 3 महाकाव्य , पुराण और नीति–साहित्य

रामायण और महाभारत में दर्शन और मूल्य

पुराणों का ज्ञान लोकनृत्य और दर्शन

नीति ग्रंथ, चाणक्य नीति, हितोपदेश, पंचतंत्र

स्त्री दृष्टिकोण और सामाजिक संरचना

इकाई –4 मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय दर्शन और साहित्य

भक्ति आंदोलन, ज्ञान मार्ग, प्रेममार्ग, और सूफीवाद

तुलसीदास, कबीर, मीराबाई का दर्शन और भक्ति

भारतीय पुनर्जागरण में दर्शन की भूमिका

Semester-V
CORE COURSES

1 (DSEC) Major प्रथम प्रश्न पत्र

समाज शास्त्रीय विचार एवं प्रमुख विचारक

उद्येश्य :– समाज शास्त्रीय चिंतन एवं प्रमुख विचारकों से परिचित कराना। समाजशास्त्रीय चिंतन का विकास, प्रवृति एवं विशेषताएँ समाज शास्त्रीय चिंतन का ऐतिहासिक विकास आदिम चिन्तन, मध्यकालीन, पूर्व आधुनिक एवं आधुनिक चिंतन से परिचित कराना। आगस्ट काम्ट का जीवन परिचय प्रमुख रचनाएँ और तथ्यवाद का सिद्धांत स्पष्ट करना। कार्लमार्क्स जीवन परिचय व प्रमुख रचनाओं का परिचय देना उनके सिद्वांत ऐतिहासिक भौतिकवाद, द्ववंदात्मक भौतिकवाद, वर्ग एवं वर्ग संघर्ष, अलगाव के सिद्धांत का परिचय देना। इमाईल दुर्खीम व मैक्स बैवर के समाजशास्त्रीय चिंतन का परिचय देना।

इकाई–1 समाजशास्त्रीय चिंतन का विकास, प्रवृति एवं विशेषताएँ समाज शास्त्रीय चिंतन का ऐतिहासिक विकास आदिम चिन्तन, मध्यकालीन, पूर्व आधुनिक एवं आधुनिक चिंतन

इकाई–2 आगस्ट काम्ट जीवन परिचय प्रमुख रचनाएँ तथ्यवाद का सिद्धांत

इकाई–3 कार्लमार्क्स जीवन परिचय प्रमुख रचनाएँ ऐतिहासिक भौतिकवाद, द्ववंदात्मक भौतिकवाद, वर्ग एवं वर्ग संघर्ष, अलगाव

इकाई–4 इमाईल दुर्खीम जीवन परिचय, प्रमुख रचनाएँ धर्म एवं समाज, सामाजिक तथ्य श्रम विभाजन आत्महत्या

इकाई–5 मैक्स बैवर– जीवन परिचय प्रमुख रचनाएँ आदर्श प्रारुप, सामाजिक क्रिया नौकरशाही, धर्म प्रोटेस्टेट धर्म नीतियाँ

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. जैन मीना, समाजशास्त्रीय विचारों का आधार मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल 2004
2. बघेल डी. एस. महान समाजशास्त्रीय विचारक मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी

परिणाम :– छात्र विभिन्न समाजशास्त्रीय विचारधाराओं से परिचित होता है और प्रमुख समाजशास्त्रीयों के चिंतन को समझता है।

2 (DSEC) Major द्वितीय प्रश्न पत्र

भारत की विदेश नीति

उद्येश्य :– भारतीय विदेश नीति, विकास, विशेषताएँ सिद्धांत तथा उसके निर्धारक तत्वों परिचय देना। भारत के पड़ोसी देशो के साथ संबंधः पाकिस्तान बांग्लादेश, भूटान, श्रीलंका, एवं अफगानिस्तान की विदेश नीति की जानकारी देना तथा भारत के महाशक्तियों को साथ संबंध जैसे अमेरिका, रुस, चीन के संबंध में जानकारी देना।

इकाई–1 भारतीय विदेश नीति, विकास, विशेषताएँ सिद्धांत तथा निर्धारक तत्व

इकाई–2 भारत के पड़ोसी देशो के साथ संबंधः पाकिस्तान बांग्लादेश, भूटान, श्रीलंका, एवं अफगानिस्तान

इकाई–3 भारत के महाशक्तियों को साथ संबंध अमेरिका, रुस, चीन

इकाई–4 क्षेत्रिय संगठनः–सार्क, आसियान, ब्रिक्स

इकाई–5 समकालीन अन्तराष्ट्रीय मुद्दे, मानवाधिकार, वैश्वीकरण, पर्यावरण, निशस्त्रीकरण, सीमापार आतंकवाद

सन्दर्भ ग्रंथ सूची :–

1. प्रमुख जैन–भारत की विदेशीनीति
2. डॉ. जे श्यामसुन्दरम भारत की विदेश नीति
3. बी.पी. दत्त–भारतीय विदेश नीति– नेशनलबुक ग्रुप ट्रस्ट दिल्ली
4. यु. आर धर्द्ध–भारतीय विदेशनीति–न्यू एकेडेमिक पब्लिशिंग कम्पनी

परिणामः– क्षेत्रिय संगठनः–सार्क, आसियान, ब्रिक्स की जानकारी प्राप्त करता है। समकालीन अन्तराष्ट्रीय मुद्दे, मानवाधिकार, वैश्वीकरण, पर्यावरण, निशस्त्रीकरण, सीमापार आतंकवाद से परिचित होता है।

3 (DSEC) Major तृतीय प्रश्न पत्र

भारत का इतिहास (1600 से स्वतंत्रता तक)

इकाई –1 भारत में यूरोप का प्रवेश

- प्रारंभिक यूरोपीय बस्तियांय पुर्तगाली एवं डच, अंग्रेजी एवं फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनियां, आधिपत्य के लिए उनके युद्ध, कर्नाटक युद्ध, बंगाल– अंग्रेजों एवं बंगाल के नवाब के बीच संपर्क, सिराज और अंग्रेज, प्लासी का युद्ध, प्लासी का महत्व।
- भारत में ब्रिटिश प्रसार– बंगाल, मीर जाफर एवं मीर कासिम, बक्सर युद्धय मैसूर, मराठा, तीन अंग्रेज–मराठा युद्ध, पंजाब
- ब्रिटिश राज्य की प्रारंभिक संरचना– प्रारंभिक प्रशासनिक संरचना, वैध शासन से प्रत्यक्ष नियंत्रण तक, रैगुलेटिंग एक्ट (773)य पिट्स इंडिया एक्ट (784) चार्टर एक्ट (833)य मुक्त व्यापार का स्वर एवं ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का बदलता स्वरूप, अंग्रेजी उपयोगितावादी और भारत।

इकाई –2 ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का आर्थिक प्रभाव

- ब्रिटिश भारत में भूमि– राजस्व, बंदोबस्त, स्थायी बंदोबस्त, रैयतवारी बंदोबस्त, महलवारी बंदोबस्त, राजस्व प्रबंध का आर्थिक प्रभाव, कृषि का वाणिज्यीकरण, भूमिहीन कृषि श्रमिकों का उदय, ग्रामीण समाज का परिक्षीणन।
- पारंपरिक व्यापार एवं वाणिज्य का विस्थापन, अनौद्योगीकरण, पारंपरिक शिल्प की अवनति, धन का अपवयख भारत का आर्थिक रूपांतरण, टेलीग्राफ एवं डाक सेवाओं समेत रेल पथ एवं संचार जाल, ग्रामीण
- भीतरी प्रदेश मैं दुर्भिक्ष एवं गरीबी, यूरोपीय व्यापार उद्यम एवं इसकी सीमाएं।

इकाई –3 सामाजिक व सांस्कृतिक विकास

- स्वदेशी शिक्षा की स्थिति, इसका विस्थापन, प्राच्यविद–आंग्लविद् विवाद, भारत में पश्चिमी शिक्षा का प्राभाव
- प्रेस, साहित्य एवं लोकमत का उदय, आधुनिक मातृभाषा साहित्य का उदय, विज्ञान की प्रगतिय भारत मैं क्रिश्चियन मिशनरी के कार्यकलाप
- बंगाल एवं अन्य क्षेत्रों में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन– राममोहन राय, ब्रहम आंदोलन देवेन्द्रनाथ टैगोर, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, युवा बंगाल आंदोलन, दयानंद सरस्वती, भारत में सती, विधवा विवाह, बाल विवाह आदि समेत सामाजिक सुधार आंदोलन
- आधुनिक भारत के विकास मैं भारतीय पुनर्जागरण का योगदान, इस्लामी पुनरूदवारवृत्ति, फराइजी एवं

वहाबी आंदोलन।

इकाई – 4 ब्रिटिश शासन के प्रति भारत की अनुक्रिया

- किसान विप्लव रंगपुर ढींग (783), कोल विद्रोह (832), मालाबार में मोपला विद्रोह (84–920), सन्थात्र हुल (855), नील विद्रोह (859–60), दकन विप्लव (875) एवं मुंडा उल्गुलान (899–900) समेत ॥8वीं एवं 9वीं शताब्दी मैं हुए किसान आंदोलन एवं जनजातीय विप्लव
- 1857 का महाविद्रोह–उदगम, स्वरूप, असफलता के कारण, परिणामय पश्च 857 काल में किसान विप्लव के स्वरूप में बदलाव
- 1920 और 930 के दशकों में हुए किसान आंदोलन।

इकाई – 5

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बुनियाद, कांग्रेस के जन्म के संबंध मैं सेफ्टी वाल्व का पक्ष, प्रारंभिक कांग्रेस के कार्यक्रम एवं लक्ष्य, प्रारंभिक कांग्रेस नेवृत्व की सामाजिक रचना, नरम दल एवं गरम दल
- बंगाल का विभाजन, बंगाल में स्वदेशी आंदोलनय स्वदेशी आंदोलन के आर्थिक एवं राजनैतिक परिप्रेक्ष्य, भारत में क्रांतिकारी उग्रपंथ का आरंभ
- गांधी का उदय– गांधी के राष्ट्रवाद का स्वरूप, गांधी का जनाकर्षण, रोलेट सत्याग्रह, खिलाफत आंदोलन, असहयोग आंदोलन, असहयोग आंदोलन समाप्त होने के बाद में सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रारंभ होने तक की राष्ट्रीय राजनीति
- सविनय अवज्ञा आंदोलन के दो चरण, साइमन कमीशन, नेहरू रिपोर्ट, गोलमेज परिषद्, राष्ट्रवाद और किसान आंदोलन, राष्ट्रवाद एवं श्रमिक वर्ग आंदोलन
- महिला एवं भारतीय युवा और भारतीय राजनीति में छात्र (885–947), 937 का चुनाव तथा मंत्रालयों का गठन, क्रिप्स मिशन, भारत छोड़ो आंदोलन, वैरेल योजना, कैबिनेट मिशन।

4 (DSEC) Minor भारत में सामाजिक समस्याएं

इकाई–1 सामाजिक समस्याएं : अर्थ, परिभाषाएँ कारण प्रकार एवं अध्ययन की पद्धतियाँ

इकाई–2 सामाजिक समस्याएं : 1. साम्प्रदायिकता 2. क्षेत्रवाद 3. प्रदूषण 4. गरीबी 5. बेरोजगारी 6. भ्रष्टाचार 7. सामाजिक विचलन 8. अपराध और सफेद पोश अपराध बाल अपराध, मद्यपान, भिक्षावृत्ति, वेश्यावृत्ति, आत्माहत्या

इकाई–3 जनसंख्या वृद्धि और बेरोजगारी

इकाई–4 गरीबी और अशिक्षा

इकाई–5 जातिवाद और सामाजिक असमानता

5 (DSEC) Minor वैश्वीकरण की दुनिया में भारत की विदेश नीति

इकाई–1 प्रस्तावना

इकाई–2 प्रमुख शक्तियों के प्रति भारतीय निति

इकाई–3 भारत की दक्षिण एशिया निति

इकाई–4 भारत और आस पास के क्षेत्र

इकाई–5 वैश्वीकरण की दुनिया में भारत की चिंताएं

6 (DSEC) Minor अपराध में समाजशास्त्रीय सिद्धांत

इकाई – 1

- अपराध की समाजशास्त्रीय अवधारणा
- अपराध की परिभाषा और प्रकृति
- सामाजिक संरचना और अपराध

इकाई – 2

- एमिल दुर्खीम का अनीमी सिद्धांत
- रॉबर्ट के. मर्टन का तनाव सिद्धांत
- शिकागो स्कूल और सामाजिक विघटन
- सामाजिक प्रक्रिया सिद्धांत
- एडविन सदरलैंड का विभेदात्मक संसर्ग सिद्धांत
- ट्रैविस हिर्शी का सामाजिक बंध सिद्धांत
- लेबलिंग सिद्धांत (हावर्ड बेकर)

इकाई – 3 आलोचनात्मक एवं समकालीन दृष्टिकोण

- मार्क्सवादी अपराधशास्त्र
- अपराध पर नारीवादी दृष्टिकोण
- उत्तरआधुनिक दृष्टिकोण

इकाई – 4 भारत में अपराध और समाज

- भारतीय समाज में प्रमुख अपराध
- अपराध नियंत्रण की सामाजिक संस्थाएँ, पुलिस, न्यायालय और समुदाय की भूमिका

7 (DSEC) Minor अम्बेडकर को समझना

इकाई –1

- डॉ.भीमराव अंबेडकर का प्रारंभिक परिचय
- डॉ. भीमराव के प्रारंभिक जीवन का उन पर प्रभाव

इकाई –2

- भारत में जातिप्रथा
- जाति प्रथा उन्मूलन

इकाई –3

- सामाजिक न्याय
- दलित उत्थान

इकाई –4

- भारतीय समाज में योगदान
- संविधान में योगदान

इकाई –5

- भारतीय समाज में प्रभाव
- संविधान में प्रभाव

8 (DSEC) Minor इतिहास की व्यावसायिक उपयोगिता

इकाई – 1 शैक्षणिक क्षेत्र

- इतिहास के विद्यार्थी शिक्षक, प्रोफेसर, या शोधकर्ता बन सकते हैं।
- विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्कूलों में अध्यापन कार्य कर सकते हैं।
- प्रतियोगी परीक्षाओं में इतिहास एक प्रमुख विषय होता है।
- प्रशासनिक सेवा में जाने के लिए यह विषय सहायक होता है।

इकाई – 2 संग्रहालय और पुरातत्व विभाग

- पुरातत्वविद, संग्रहालय क्यूरेटर, आर्काइविस्ट के रूप में कार्य कर सकते हैं।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण जैसी संस्थाओं में रोजगार के अवसर।
- लेखन और पत्रकारिता

इकाई – 3

- इतिहास विषय की समझ से ऐतिहासिक उपन्यास, लेख, कॉलम आदि लिख सकते हैं।
- इतिहास आधारित डॉक्यूमेंट्री, रिपोर्टिंग और शोध लेखन में अवसर।
- पर्यटन और गाइड सेवा

इकाई – 4

- ऐतिहासिक स्थानों पर टूर गाइड, पर्यटन अधिकारी के रूप में कार्य।
- हेरिटेज टूरिज़्म को बढ़ावा देने में इतिहास का बड़ा योगदान।
- विधि और न्याय क्षेत्र

इकाई – 5

- इतिहास की समझ से संवैधानिक कानूनों और सामाजिक बदलाव को समझना आसान होता है।
- न्यायिक सेवा में भी उपयोगी।

9 (SEC) मल्टीमीडिया

इकाई – 1: मल्टीमीडिया का परिचय

- मल्टीमीडिया की परिभाषा और स्वरूप
- मल्टीमीडिया के घटकः पाठ, ग्राफिक्स, ऑडियो, वीडियो, एनीमेशन
- मल्टीमीडिया की विशेषताएँ और उपयोगिता, जनसंचार में मल्टीमीडिया की भूमिका

इकाई – 2: मल्टीमीडिया हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर

- इनपुट एवं आउटपुट डिवाइस (कीबोर्ड, माउस, स्कैनर, कैमरा आदि)
- संग्रहण उपकरण (ब्क, क्टक, पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क)
- मल्टीमीडिया सॉफ्टवेयरः फोटोशॉप, प्रीमियर प्रो, ऑडेसिटी, फ्लैश आदि

इकाई – 3 मल्टीमीडिया डिज़ाइन और विकास

- मल्टीमीडिया डिज़ाइन के सिद्धांत
- स्टोरीबोर्ड और स्क्रिप्ट लेखन
- यूज़र इंटरफेस डिज़ाइन, इंटरएक्टिव मल्टीमीडिया

इकाई – 4 वेब और मल्टीमीडिया

- वेब डिज़ाइन का परिचय
- ऑनलाइन पत्रकारिता में मल्टीमीडिया का उपयोग, स्ट्रीमिंग मीडिया और वेब प्रकाशन

इकाई – 5 जनसंचार में मल्टीमीडिया का प्रयोग

- समाचार मीडिया, विज्ञापन और जनसंपर्क में मल्टीमीडिया का प्रयोग, डिजिटल पत्रकारिता में मल्टीमीडिया की भूमिका, मल्टीमीडिया स्टोरीटेलिंग के उदाहरण, नैतिकता, कॉपीराइट और डिजिटल अधिकार

Semester-VI
CORE COURSES

1 (DSEC) Major प्रथम प्रश्न पत्र

भारत में सामाजिक समस्याएं एवं अपराध

उद्येश्य :– भारत में सामाजिक समस्याएं एवं अपराध की संकल्पना का परिचय देना। सामाजिक समस्याएं : अर्थ, परिभाषाएँ कारण प्रकार एवं अध्ययन की पद्धतियों का परिचय देना। सामाजिक समस्याएं : 1. साम्प्रदायिकता 2. क्षेत्रवाद 3. प्रदूषण 4. गरीबी 5. बेरोजगारी 6. भ्रष्टाचार 7. सामाजिक विचलन 8. अपराध और सफेद पोश अपराध बाल अपराध, मद्यपान, भिक्षावृत्ति, वेश्यावृत्ति आत्माहत्या का परिचय देना।

इकाई–1 सामाजिक समस्याएं : अर्थ, परिभाषएँ कारण प्रकार एवं अध्ययन की पद्धतियाँ

इकाई–2 सामाजिक समस्याएं :

1. साम्प्रदायिकता 2. क्षेत्रवाद 3. प्रदूषण 4. गरीबी 5. बेरोजगारी 6. भ्रष्टाचार 7. सामाजिक विचलन

8. अपराध और सफेद पोश अपराध बाल अपराध, मद्यपान, भिक्षावृत्ति, वेश्यावृत्ति आत्माहत्या

इकाई–3 अपराध की अवधारणा अर्थ लक्षण व प्रकार, सामाजिक बुराईयाँ और अपराध

इकाई–4 सजा अर्थ लक्षण उद्देश्य व प्रकार

इकाई–5 आधुनिक सुधारात्मक परिवीक्षा पैरोल खुली जेल सुधारात्मक प्रक्रिया भारत में पुलिस और न्यायपालिका की भूमिका में जेल सुधारों का विकास

सन्दर्भ ग्रंथ सूची :–

1. डॉ. डी. डी. शर्मा प्रो. एम. एल. गुप्ता (साहित्य भवन पब्लिकेशन्स आगरा 2007)
2. स्वातंत्र्योत्तर भारत में पुलिस की भूमिका हरिशनवल
3. संगठित अपराध श्री महेन्द्र सिंह अदिल
4. आहूज राम अपराध शास्त्र (रावत पब्लिकेशन 2000 जयपुर)
5. आहूज राम समाजिक समस्याएँ, (रावत पब्लिकेशन जयपुर 2000)
6. टप्पन पॉलस, क्राईम जस्टिस एण्ड करेक्शन (1960 मेंक ग्राथ हिल न्यूयार्क 1960)

परिणाम :– छात्र अपराध की अवधारणा अर्थ लक्षण व प्रकार, सामाजिक बुराईयाँ और अपराध की जानकारी प्राप्त करेगा। सजा अर्थ लक्षण उद्देश्य व प्रकार। आधुनिक सुधारात्मक परिवीक्षा पैरोल खुली जेल सुधारात्मक प्रक्रिया भारत में पुलिस और न्यायपालिका की भूमिका में जेल सुधारों को विकास से परिचित होगा।

2 (DSEC) Major द्वितीय प्रश्न पत्र

लोक प्रशासन

उद्येश्य :– लोकप्रशासन अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र लोक एवं निजी प्रशासन, नवीन लोकप्रशासन का परिचय देना। संगठन के सिद्धांतः– सूत्र एवं स्टाफ अभिकरण, मुख्य कार्यपालिका की जानकारी देना। कार्मिक प्रशासन, भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति संघ लोक सेवा आयोग, विवादों का समाधान संगठन तथा प्रणाली (O और M) से परिचित कराना।

इकाई–1 लोकप्रशासन अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र लोक एवं निजी प्रशासन, नवीन लोकप्रशासन

इकाई–2 संगठन के सिद्धांतः– सूत्र एवं स्टाफ अभिकरण, मुख्य कार्यपालिका

इकाई–3 कार्मिक प्रशासन, भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति संघ लोक सेवा आयोग, विवादों का समाधान संगठन तथा प्रणाली (O और M)

इकाई–4 वित्तीय प्रशासनः– बजट, लेखा एवं लेखा परिक्षण

इकाई–5 विकास प्रशासनः–नौकरशाही की भूमिका, पंचायतीराज संस्थाओं की भूमिका, लोकपाल एवं लोकायुक्त सुशासन एवं ई–गवर्नेस

सन्दर्भग्रंथः–

1. डॉ. एम. पी शर्मा लोकप्रशासन
2. डॉ. सी. पी. भाम्बरी लोकप्रशासन
3. डॉ. ए. अवस्थी एवं डॉ. एस. आर माहेश्वरी–लोकप्रशासन
4. विष्णु भगवान–लोक प्रशासन
5. सी. पी. भाम्बरी लोक प्रशासन
6. ए. एच. हॉर्न टू प्रोसेस ऑफ पलानिंग

परिणाम :– छात्र वित्तीय प्रशासनः–बजट, लेखा एवं लेखा परीक्षण को समझेगा। विकास प्रशासनः–नौकरशाही की भूमिका, पंचायतीराज संस्थाओं की भूमिका, लोकपाल एवं लोकायुक्त सुशासन एवं ई–गवर्नेस की समझ प्राप्त होगी।

3 (DSEC) Major तृतीय प्रश्न पत्र

स्वतंत्रता के बाद का भारत (1947 से 2000)

इकाई –1

- राष्ट्र निर्माण एवं एकीकरण प्रक्रिया
- चुनौतियां

इकाई – 2

- लोकतंत्र– प्रक्रिया, चुनौतियां एवं उपलब्धियां
- आर्थिक विकास

इकाई – 3

- भारत के विदेश संबंध
- लोकतांत्रिक व्यवस्था के समक्ष संकट

इकाई – 4

- क्षेत्रीय असंतोष एवं इसका समाधान
- राज्यों का पुनर्गठन

इकाई – 5

- समकालीन घटनाक्रम
- घटना क्रम

4 (DSCC) Minor ग्रामीण समाजशास्त्र

इकाई – 1 ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन

- भारतीय ग्रामीण समाज की संरचना जाति वर्ग लिंग और भूमि स्वामित्व।
- भूमि सुधार और हरित क्रांति उद्देश्य प्रभाव और चुनौतियाँ।

इकाई – 2 कृषि प्रणालियाँ और उनके प्रभाव

- संविदा कृषि और भूमंडलीकरण
- ग्रामीण असमानता और सामाजिक परिवर्तन जातीय शक्ति, श्रमिक वर्ग पलायन और महिलाओं की स्थिति।

इकाई – 3 किसानों की समस्याएँ

- किसानों की आत्महत्या और ऋण संकट कारण और सामाजिक प्रभाव।
- ग्रामीण विकास की नीतियाँ पंचायती राज, सहकारी आंदोलन, और सरकारी योजनाएँ।

5 (DSCC) Minor भारत का संविधान

इकाई –1

- संविधान का परिचय ,
- संविधान की प्रस्तावना

इकाई – 2

- संघ और उसके राज्य क्षेत्र
- नागरिकता

इकाई – 3

- मूलभूत अधिकार
- राज्य के नीति निदेशक तत्व

इकाई – 4

- मूल कर्तव्य
- संघ

इकाई – 5

- राज्य
- संघ और राज्यों के बीच संबंध

6 (DSCC) Minor प्रमुख देशों के संविधान

इकाई –1 संविधान की प्रकृति और महत्व

- संविधान का अर्थ, परिभाषा और विशेषताएं संविधान के प्रकार लिखित और अलिखित
- संविधान का विकास और आवश्यकता

इकाई –2 ब्रिटेन का संविधान

- संविधान की विशेषताएं
- संसद की सर्वोच्चता
- प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल की भूमिका, विधायिका और कार्यपालिका का ढांचा

इकाई – 3 अमेरिका का संविधान

- संविधान की विशेषताएं, संघीय ढांचा, राष्ट्रपति की शक्तियाँ, चेक एंड बैलेंस प्रणाली
- अमेरिकी कांग्रेस और न्यायपालिका

इकाई – 4. फ्रांस का संविधान

- पंचम गणराज्य की विशेषताएं, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की भूमिका, विधायिका की संरचना

इकाई –5. स्विट्जरलैंड का संविधान

- प्रत्यक्ष लोकतंत्र की अवधारणा, संघीय परिषद, जनमत संग्रह और जन पहल

इकाई –6. चीन का संविधान

- चीनी साम्यवादी व्यवस्था, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और कम्युनिस्ट पार्टी की भूमिका, एकदलीय शासन प्रणाली

इकाई –7. भारत का संविधान (तुलनात्मक दृष्टिकोण से)

- प्रमुख विशेषताएं, संघीय ढांचा, संसदीय प्रणाली, मौलिक अधिकार और कर्तव्य, संविधान संशोधन प्रक्रिया

इकाई –8. तुलनात्मक विश्लेषण

- विभिन्न संविधानों के प्रमुख तत्वों की तुलना, लोकतंत्र, अधिकार, स्वतंत्रता, न्यायपालिका, संघीयता आदि के आधार पर

7 (AEC) रचनात्मक लेखन

इकाई–1 रचनात्मक लेखन की अवधारणा, स्वरुप एवं सिद्धान्त

इकाई–2 रचनात्मक लेखन और भाषा शब्द प्रकार शब्द शक्ति शब्द निर्माण–प्रक्रिया

इकाई–3 लेखन कला भाव तथा विचार और उसका विकास

इकाई–4 रचनात्मक लेखन के तत्व : कविता –लय गति, तुक छनद और काव्य रुप नाटक–कथानक चरित्र संवाद, रंगकर्म कथा साहित्य–कहानी, उपन्यास, मीडिया में लेखन

इकाई–5 हिन्दी टंकण, प्राथमिक ज्ञान तथा हिन्दी

8 Research Project (RP) / Internship